



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

24 MAY 1978

सं० 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 15, 1978 (चैत्र 25, 1900)

No. 15]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 15, 1978 (CHAITRA 25, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .

275

जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

815

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .

487

भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . .

1061

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .

5

भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . .

65

भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . .

1938

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .

331

भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कसकता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . .

265

भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . .

—

भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . .

87

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें . . .

—

भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . .

955

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और

भाग IV—नैर सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . .

61

# CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	275	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	815
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	487	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1061
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. .	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	65
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	331	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	1938
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	65
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	87
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. .. .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	955
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. .	61

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आवेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० 15-प्रेज/78—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गया प्रसाद,

(स्वर्गीय)

कांस्टेबल सं० 469 भिविल पुलिस,

जिला हरदोई,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

16 जुलाई, 1974 को बागमौली के स्टेशन अधिकारी की भोराज पुरवा गांव के एक घर में एक कुख्यात अपराधी गिरीह की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। वह उपलब्ध दल के साथ तत्काल उस स्थान की ओर रवाना हो गये। श्री गया प्रसाद इस दल के सदस्य थे। पुलिस दल ने स्थलाकृति का अध्ययन करके घर के मुख्य द्वार में प्रवेश किया लेकिन डाकुओं ने तुरन्त उन पर गोली चला दी। स्टेशन अधिकारी ने अपनी सविस रिवाल्वर से डाकुओं पर जवाब में गोली चलाई और एक डाकू को अपनी गोली से मार गिराया। कांस्टेबल गया प्रसाद ने भी एक अन्य डाकू पर, जो पुलिस दल पर गोली चला रहा था, अपनी 12 बोर की बंदूक से गोली चलाई। अन्ततः कांस्टेबल गया प्रसाद की गोली ने डाकू को मार गिराया। गिरीह का नेता पुलिस दल पर गोलीबारी करने लगा ताकि वे डरकर भाग जायें और मुठभेड़ में कांस्टेबल गया प्रसाद को गोली मारने में सफल हो गया जो घायल होने के कारण गिर गये और वीरगति को प्राप्त हुए। फिर गिरीह का नेता एक दीवार पर चढ़ कर घर के बाहर कूब गया। तथापि, एक सहायक उप-निरीक्षक तथा एक कांस्टेबल ने उसका पीछा किया और मुकाबले में उसे मार गिराया। पुलिस दल ने दो शाट गन तथा दो वेशी पिस्तौल तथा पर्याप्त गोला बारूद भी बरामद किये।

इस मुठभेड़ में श्री गया प्रसाद ने अनुकरणीय साहस, पहलुशक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 जुलाई, 1974 से दिया जायेगा।

सं० 16-प्रेज/78—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री विजय कुमार मिश्र,

(स्वर्गीय)

पुलिस उप-निरीक्षक,

बाराणसी,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

23-24 अगस्त, 1975 की रात को श्री विजय कुमार मिश्र को सूचना मिली कि दो कुख्यात अपराधी जिनकी एक मामले में तलाश थी अपने घरों में भोजन कर रहे थे। श्री मिश्र ने अपने साथियों के साथ वहां छापा मारा परन्तु पता चला कि अपराधी बाधनौली घाट चले गये हैं। तब वह बाधनौली घाट की ओर रवाना हो गये। पुलिस दल ने कुछ व्यक्तियों को घाट की ओर जाते देखा जो बाद में एक गन्ने के खेत में घुस गये। उप-निरीक्षक ने तलाशी शुरू की और उनको आत्मसमर्पण के लिये कहा। इस पर अपराधियों ने गन्ने के खेत में छिप कर पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। श्री मिश्र अपराधियों की ओर बढ़ते रहे। उन्हें बाद में अपराधियों की एक गोली लग गई। गोली से घायल होने के बावजूद वह अपनी रिवाल्वर से गोली चलाते हुए आगे बढ़े। इसी बीच दल के दूसरे लोगों ने अपराधी को घेर लिया और उसे मार गिराया। श्री विजय कुमार मिश्र कोटों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गये। मृत अपराधी से एक देशी पिस्तौल, एक चला हुआ और तीन चालू कारतूस बरामद किये गये।

इस मुठभेड़ में श्री विजय कुमार मिश्र ने अनुकरणीय साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 अगस्त, 1975 से दिया जायेगा।

सं० 17-प्रेज/78—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सुनील कुमार चटर्जी,

पुलिस उप-निरीक्षक,

थाना प्रो० सी० कंकासा,

जिला बर्दवान,

पश्चिम बंगाल।

श्री कृष्ण पांडा सरकार,

पुलिस उप-निरीक्षक,

थाना ग्यू टाऊनशिप,

जिला बर्दवान,

पश्चिम बंगाल।

श्री निर्मल कुमार पात्रा,

पुलिस उप-निरीक्षक,

थाना प्रो० सी० कोकमोवन,

जिला बर्दवान,

पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

20 मई, 1976 की शाम को दुर्गापुर स्थित भारतीय उर्वरक निगम की केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल एकक का प्रधान सुरक्षा गाइड राजेन्द्र सिंह राउत पागल हो गया तथा शस्त्रागार पर कब्जा करने के बाद उसने दो .303 राइफल तथा एक .38 रिवाल्वर से संघातु गोली चलानी शुरू कर दी

उसने वो सुरक्षा गाँव को मार गिराया तथा धमकी दी कि जो कोई उसके पास आवेगा उसे मार डालेगा। इससे गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई और निकट की सड़क का सारा यातायात रोकना पड़ा ताकि इस गोली-बारी में कोई जखमी न हो जाये। श्री ज्योति भूषण दत्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गापुर ने उसको निहत्था करने के लिये एक दल को संगठित कर लिया। इस दल में वे स्वयं तथा सी० आई० एम० एफ० के एक सहायक कमांडेंट तथा श्री सुनील कुमार चटर्जी, श्री कृष्ण पांडा सरकार तथा श्री निर्मल कुमार पांडा, तीन पुलिस उपनिरीक्षक थे। श्री दत्त ने देखा कि कुछ समय बाद प्रधान सुरक्षा गाँव ने गोली चलानी बन्द कर दी है और बगल में हथियारों को रखकर एक कुर्सी पर बैठा है। इस थोड़े विराम का लाभ उठाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने धीरे से शास्त्रागार का दरवाजा खोला और सुरत प्रधान सुरक्षा गाँव पर झपट पड़े तथा दोनों तीनों पुलिस उप-निरीक्षकों की सहायता से उस पर काबू पा लिया। श्री सुनील कुमार चटर्जी ने सुरक्षा गाँव की रिवास्वर छीन ली, श्री पांडा ने उसकी गर्दन पकड़ ली तथा श्री सरकार ने अपनी रिवास्वर से दल की रक्षा की।

इस प्रकार श्री सुनील कुमार चटर्जी, श्री कृष्ण पांडा सरकार तथा श्री निर्मल कुमार पांडा ने महान साहस, पहलशक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 मई, 1976 से दिया जायेगा।

सं० 18-प्रेज/78/—राष्ट्रपति कनाटक पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक उद्घोष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद  
श्री यू० हरिराम भंडारी,  
पुलिस उप-निरीक्षक,  
जिला बेलगाम,  
कर्नाटक।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

19 जून, 1975 को डाकुओं के एक समूह गिरोह ने मड्डूर, जिला मानडिया में एक अपराध किया और कार में बचकर भाग निकले। पुलिस अधीक्षक, बेलगाम को कार तथा उस में बैठे व्यक्तियों के डुलिये के बारे में सूचना दी गई। अतः पुलिस अधीक्षक ने कार के लिये जाल बिछाया। परन्तु डाकू बेलगाम नगर पहुँचने में सफल हो गये। एक ट्रफिक कास्टेशनल ने उसे देख लिया जिसने पुलिस नियंत्रण कक्ष को सावधान कर दिया। कार की गति-विधि के बारे में सुनकर, पुलिस अधीक्षक, बेलगाम ने कार का पीछा किया तथा अपने आर० टी० सेट से नीपानी का सड़क पर रुकावटें खड़ी करने तथा कार को रोकने के अनुरोध दिये। पुलिस उप-निरीक्षक यू० हरिराम भंडारी ने कार देखी और उसे रोकने के लिये कहा परन्तु कार ने संकेत पर ध्यान न दिया और नेपानी की तरफ चली रही। उप-निरीक्षक एक प्राइवेट कार में बैठ गया और भागती हुई कार का पीछा किया। पुलिस को देखकर डाकुओं ने उस पर गोली चलाई इस पर पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई। तथापि डाकुओं की कार किसी तरह प्राइवेट कार से आ रही पुलिस से आगे निकल गई। किन्तु यह एकल चैक पोस्ट के पास नीपानी पुलिस द्वारा खड़ी की गई, रुकावट से टकरा गई और गड्ढे में गिर गई। पुलिस दल जो रुकावट के पास खड़ा उनकी प्रतीक्षा कर रहा था, कार की तरफ, बोड़ा। डाकू कार से बाहर निकल पड़े और गाड़ी गड्ढे में छोड़कर खुले खेतों में भाग गये। इस बीच उप-निरीक्षक भंडारी भी घटनास्थल पर आकर पुलिस दल में शामिल हो गये और साहसपूर्वक डाकुओं का मुकाबला करने लगे। गिरोह के सदस्य एक गड्ढे में कूब गये जहाँ से उन्होंने पीछा करते हुए पुलिस वालों पर गोली चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाब में गोली चलाई। इसी समय पुलिस अधीक्षक भी घटनास्थल पर आ गये और गोर्जे का संचालन अपने हाथ में ले लिया। उनके निदेश पर श्री भंडारी भारी खतरा उठाते हुए गड्ढे की ओर बढ़े और अपने प्रादमियों के साथ उसे घेर लिया। डाकुओं

ने अपनी निराशाजनक स्थिति का आभास करते हुए गोली चलानी बंद कर दी और आत्मसमर्पण कर दिया।

इस कार्यवाही में श्री यू० हरिराम भंडारी ने साहस, दृढ़-निश्चय पहलशक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 19 जून, 1975 से दिया जायेगा।

के० सी० मादपा,  
राष्ट्रपति के सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 अप्रैल 1978

नियम

सं० 11/2/78 के० से० II—सितम्बर, 1978 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड को चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए एक समिति विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के लिए नियम सर्व साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले व्यक्तियों की सख्या आयोग द्वारा जारी की गई विज्ञापित में बता दी जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्त स्थानों के संबंध में आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित ढंग से किए जाएंगे।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अभिप्राय उस किसी भी जाति से है जो निम्नलिखित में उल्लिखित है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित, आदिम जाति) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचिय (संशोधन) आदेश, 1956, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वीय क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा संशोधित किए गए के अनुसार संविधान (जम्मू व काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (रादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति, आदेश, 1962, संविधान (रादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968, संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति (संशोधन) अधिनियम 1976।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट में विहित विधि से किया जाएगा।

किस तारीख को और किन-किन स्थानों पर परीक्षा ली जाएगी इसका निर्धारण आयोग करेगा।

4. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड का ऐसा कोई स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी अधिकारी जो 1 जनवरी, 1978 को निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो, इस परीक्षा में बैठ सकेगा :—

(1) सेवा की अवधि :—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में एक जनवरी, 1978 को उसकी पांच वर्षों से कम की अनुमोदित तथा लगातार सेवा नहीं होनी चाहिए।

परन्तु यदि केंद्रीय सचिवालय लिपिकीय सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उसकी नियुक्ति प्रतियोगितात्मक परीक्षा (जिसमें सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा भी शामिल है) के परिणामों के आधार पर हुई हो, तो ऐसी परीक्षा के परिणाम निर्णायक तारीख से कम से कम पांच वर्ष पहले घोषित हुए होने चाहिए तथा उसकी उम्र ग्रेड में कम से कम चार वर्ष की अनुमोदित और लगातार सेवा होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 :—स्थायी तथा लगातार सेवा की 5 वर्ष की सीमा उस अवस्था में भी लागू होगी यदि किसी उम्मीदवार की कुल विचारणीय सेवा अंशतः केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में और अंशतः उच्च श्रेणी लिपिक के रूप में की गई हो।

टिप्पणी 2 :—केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा का कोई स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त स्थायी अवर श्रेणी लिपिक, जिसमें 26 अक्टूबर, 1962 को जारी की गई आपातकाल को उद्घोषणा के प्रवर्तन काल में अर्थात् 26 अक्टूबर 1962 से 9 जनवरी, 1968 तक सशस्त्र सेना में सेवा की हो, सशस्त्र सेना से प्रत्यावर्तन पर सशस्त्र सेना में अपनी सेवा की अवधि (प्रशिक्षण की अवधि मिलाकर यदि कोई हो) निर्धारित न्यूनतम सेवा में गिन सकेगा।

टिप्पणी 3 :—ऐसे अवर श्रेणी लिपिक जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से निःसर्वगीय पदों पर प्रतिनियुक्त हो उन्हें अन्यथा पात्र होने पर इस परीक्षा में भाग लेने का पात्र समझा जाएगा तथा यह बात उन अवर श्रेणी लिपिकों पर लागू नहीं होती जो स्थानान्तरित रूप में निःसर्वगीय पदों पर या अन्य सेवा में नियुक्त किए गए हों और केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में ग्रहण अधिकार (लियन) ना रखते हों।

(2) आयु (क) 1-1-1978 को उसकी आयु 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1928 से पूर्व नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित आयु सीमा में केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अवर श्रेणी लिपिक के मामलों में जिसमें 26 अक्टूबर, 1962 को जारी की गई आपातकाल को उद्घोषणा के प्रवर्तनकाल में अर्थात् 26 अक्टूबर, 1962 से 9 जनवरी, 1968 तक सशस्त्र सेना में सेवा की हो, सशस्त्र सेना से प्रत्यावर्तित पर अपनी सेवा (प्रशिक्षण की अवधि समेत यदि कोई हो) की अवधि तक छूट दी जाएगी।

(ग) ऊपर निर्धारित आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और अधिक छूट दी जाएगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार बंगला देश (जिसे पहले पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बंगला देश (जिसे पहले पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार श्री लंका (जिसे पहले सीलोन कहा जाता था) से आया हुआ भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्ति व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत सीलोन करार

के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका (जिसे पहले सीलोन कहा जाता था) से आया हुआ भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्ति व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 को भारत-श्रीलंका करार के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जेंजीबार) जाम्बिया, मलायी, जायरे और इथियोपिया से प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्ति भारतीय मूल का व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो और बर्मा से आया हुआ भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्ति व्यक्ति हो और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (ix) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा किसी उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में सैनिक कार्यवाहियों के समय अंशकृत हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप नौकरी से नियुक्त हुए रक्षा सेवा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (x) किसी दूसरे देश से संघर्ष के समय अथवा किसी उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में सैनिक कार्यवाहियों के समय अंशकृत हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त हुए सेवा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक
- (xi) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (xii) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी, कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों, और
- (xiii) ऐसे उम्मीदवारों के लिए जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अधीन पकड़े गए अथवा जो भारत प्रतिरक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम 1971 अथवा उसके नियमों के अधीन गिरफ्तार किए गए, तथा जो उस समय सामान्य आयु सीमाओं के अन्तर्गत आते थे, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए कार्यालय ज्ञापन सं० 15013/1/77-स्था० (घ), दिनांक 3-2-1978 में समाविष्ट अनुदेशों के अनुसार, आयु छूट की अनुमति होगी।

टिप्पणी :—नियम 4 (2) (ग) (vi) के द्वारा अनुसंधान परीक्षा में प्राविष्ट किए गए व्यक्तियों की उम्मीदवारी अनन्तित होगी यदि यह रियायत 31-12-77 के बाद बढ़ा न दी गई हो।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अतिरिक्त निर्धारित आयु सीमा में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जाएगी।

(3) टंकण परीक्षा :—यदि किसी उम्मीदवार को अवर श्रेणी ग्रेड में स्थायीकरण के उद्देश्य से संच लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/ सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध)/अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग को मासिक/तिमाही टाईप की परीक्षा उत्तीर्ण करने में छूट न मिली हो तो इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को या इससे पहले यह टाईप की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेनी चाहिए।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में इस आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

6. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तम तक बैठने नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेशपत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर लिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
  - (क) आयोग द्वारा इस परीक्षा, जिसका वह उम्मीदवार है, के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
  - (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—
    - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
    - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
    - (ग) उसके विशिष्ट उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारों के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो आयोग द्वारा उसका आचरण ऐसा समझा जाएगा जिसमें उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य करार दिया जायेगा।

9. उस उम्मीदवारों को छोड़कर, जो इस आयोग की विज्ञापित के उपबंधों के अनुसार फीस माफी का दावा करते हों, बाकी उम्मीदवारों के निर्धारित फीस का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

10. आयोग परीक्षा के बाद हरेक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर उनकी योग्यता के क्रम से उनके नामों की दो दो अलग-2 सूचियाँ तैयार करेगा और उसी क्रम से उत्तरे ही

उम्मीदवारों के नाम अपेक्षित संख्या तक उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रथम सूची में शामिल करने की सिफारिश करेगा जो आयोग के निर्णय के अनुसार परीक्षा द्वारा योग्य माने गये हों।

परन्तु यदि किसी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जाति के उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों तक नहीं भरे जा सकें, तो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए स्तर में छूट देकर परीक्षा में योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान किए बिना यदि वे योग्य हुए तो आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा (क्वालिफाइंग एक्जामिनेशन)। इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रथम सूची में कितने उम्मीदवारों के नाम शामिल किये जायें, उसका निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है। इस लिये कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस बात का कोई दावा नहीं कर सकेगा कि उसके द्वारा परीक्षा में दिए गए उत्तरों के आधार पर उसका नाम प्रथम सूची में शामिल किया ही जाय।

11. हर उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जायें, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्रव्यवहार नहीं करेगा।

12. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने से ही चयन का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सर्वगं प्राधिकारी आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि सेवा में उसके आचरण की देखते हुए उम्मीदवार हर प्रकार से चयन के लिए उपयुक्त है।

किंतु इस सम्बन्ध में निर्णय कि क्या आयोग द्वारा चयन के लिए सिफारिश किया गया कोई विशेष उम्मीदवार उपयुक्त नहीं है, कार्यात्मक और प्रशासनिक सुधार विभाग के परामर्श से किया जाएगा।

13. जो उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र देने के बाद या परीक्षा में बैठ जाने के बाद केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अपने पद से त्यागपत्र दे देगा अथवा अन्य किसी प्रकार से उस सेवा को छोड़ देगा या उससे अपना सम्बन्ध विच्छेद कर लेगा या जिसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी गई हो या किसी निःसंबन्धी पद या दूसरी सेवा में 'स्थानांतरण' द्वारा नियुक्त किया जा चुका हो और के० स० लि० से० रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में ग्रहणाधिकार न रखता हो, वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

तथापि यह उस अवर श्रेणी लिपिक पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंबन्धी पद पर प्रतिनियुक्ति किया जा चुका हो।

के० बी० नायर, अवर सचिव

#### परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार होगी :—

भाग 1—नीचे परिच्छेद 2 में बताए गए विषयों की कुल 300 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग 2—आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार ऐसे उम्मीदवारों के सेवा-बुक्तों (रिकार्ड आफ सचिव) का मूल्यांकन जो लिखित परीक्षा में ऐसा न्यूनतम स्तर प्राप्त करती हैं, जिसके बारे में आयोग फैसला करेगा, और इसके लिए अधिकतम अंक 100 होंगे।

2. भाग-1 में बताई गई लिखित परीक्षा के विषय, प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए अधिकतम अंक तथा दिया जाने वाला समय इस प्रकार होगा :—

विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
(i) निबंध तथा सार लेखन		
(क) निबंध	50	100 2 घंटे
(ख) सार लेखन	50	
(ii) आलेखन व टिप्पण तथा कार्यालय पद्धति		100 2 घंटे
(iii) सामान्य ज्ञान		100 2 घंटे

टिप्पणी :— दोनों श्रेणियों अर्थात् के० स० लि० से० और रे० बी० स० लि० से० के उम्मीदवारों के लिए टिप्पण, प्रारूपण तथा कार्यालय पद्धति के प्रश्न पत्र अलग-अलग रहेंगे।

3. परीक्षा का पाठ्य विवरण नीचे दी गई अनुसूची के अनुसार होगा।

4. उम्मीदवारों के प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी (वेवनागरी) में लिखने का विकल्प करने की अनुमति दी जाती है परन्तु शर्त है कि सभी प्रश्न-पत्रों अर्थात् (i) निबंध तथा सारलेखन अथवा (ii) टिप्पणी लेखन/मसौदा लेखन और कार्यालय पद्धति, अथवा (iii) सामान्य ज्ञान में से किसी एक प्रश्न पत्र का उत्तर सभी उम्मीदवारों को अंग्रेजी में अवश्य लिखना है।

टिप्पणी 1 :—यह विकल्प पूरे प्रश्न-पत्र के लिए होगा न कि एक ही प्रश्न पत्र में अलग अलग प्रश्नों के लिए।

टिप्पणी 2 :—जो उम्मीदवार उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में अथवा हिंदी (वेवनागरी) में लिखना चाहते हैं उन्हें यह बात आवेदन-पत्र के कालम 6 में स्पष्ट रूप में लिख देनी चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखेंगे।

टिप्पणी 3 :—एक बार रखा गया विकल्प अंतिम माना जायेगा और आवेदन-पत्र के कालम 6 में परिवर्तन करने से संबंधित कोई अमुरोध साधारणतया स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी 4 :—प्रश्न-पत्र हिंदी या अंग्रेजी दोनों में दिए जायेंगे।

टिप्पणी 5 :—उम्मीदवार द्वारा अपनायी गई (आप्ट की गई) भाषा को छोड़कर अन्य किसी भाषा में लिखने उत्तर की कोई महत्व नहीं दिया जायेगा।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्ध अंक (क्वालीफाइंग नम्बर) निर्धारित कर सकता है।

7. केवल कोरे सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. खराब लिखावट के कारण लिखित विषयों के अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत तक अंक काट दिए जायेंगे।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि भाषाविशेष कम से कम शब्दों में, क्रम बद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक की गई है।

अनुसूची

परीक्षा का पाठ्यक विवरण

(i) निबंध तथा सार लेखन

(क) निबंध :—बिहित कई विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखना होगा।

(ख) सार लेखन :—सूक्ष्म सार लिखने के लिए सामान्यतः अनुच्छेद दिये जायेंगे।

(2) टिप्पणी व आलेख तथा कार्यालय पद्धति :— इस प्रश्न पत्र का प्रयोजन सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यालय पद्धति के बारे में उम्मीदवारों का ज्ञान और सामान्य टिप्पण व आलेखन के लिखने तथा समझने में उम्मीदवारों की योग्यता जांचना है। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के उम्मीदवारों को चाहिए कि इसके लिए कार्यालय पद्धति की नियम-पुस्तक (मेन्वल आफ आफिस प्रोसीजर)— सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा जारी की गई कार्यालय पद्धति पर टिप्पणियाँ—रूस्त आफ प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट आफ बिजिनेस इन लोक सभा एण्ड राज्य सभा तथा संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग से सम्बंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई आदेश पुस्तिका पढ़ें।

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उम्मीदवारों को चाहिए कि रेलवे बोर्ड द्वारा जारी की गई कार्यालय पद्धति संहिता और लोक सभा और राज्य सभा में प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियमों और संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग से सम्बंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेशों की हस्त पुस्तिका और इस प्रयोजन के लिए राजभाषा के प्रयोग से सम्बंधित भारतीय रेलवे के आदेशों के संकलन का अध्ययन करें।

(3) सामान्य ज्ञान :—सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र का उद्देश्य अन्य बातों के साथ साथ प्रत्याशी का भारतीय भूगोल तथा देश के प्रशासन संबंधी ज्ञान तथा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों की वर्तमान घटनाओं के प्रति बुद्धिमत्तापूर्ण जागरूकता जिसकी किसी निश्चित मनुष्य से अपेक्षा की जा सकती है, की परीक्षा लेना है। प्रत्याशियों के उत्तरों से उनके लिए किन्हीं पाठ्य पुस्तकों, प्रतियेदनों इत्यादि के विस्तृत ज्ञान की अपेक्षा नहीं अपितु उनके प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्ण तौर पर समझने की क्षमता प्रदर्शित हो।

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1978

संकल्प

सं० 5/2/78-ई० पी० जे०—वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं० 3/2/73-एफ० टी० जे० दिनांक 30 अक्टूबर, 1974 तथा 7 जुलाई, 1975 के संकल्पों द्वारा संशोधित रूप में उसी संख्या के दिनांक 24 मई, 1973 के संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने निर्णय किया है कि वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) में राज्य मंत्री काउंशिल मुक्त व्यापार जोन प्राधिकरण के अध्यक्ष होंगे।

घादेश

घादेश दिया जाता है कि यह संकल्प सार्वजनिक जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये और सभी संबंधों को इसकी प्रतियां भेजी जायें।

ए० एस० सेठी, निदेशक  
वाणिज्य मंत्रालय

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

सिंचाई विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1978

संकल्प

सं० 8/17/74—वि० का० दो—संकल्प सं० 8/17/74—वि० का० दो, दिनांक 30 जनवरी, 1976 में, जिसके द्वारा बाणसागर बोर्ड और उसके अन्तर्गत कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किये जाते हैं :—

बाणसागर नियंत्रण बोर्ड

वैरा-1 इस प्रकार प्रतिस्थापित किया जाता है :—

मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ परामर्श करके बाणसागर बांध के, जिसमें मध्य प्रदेश के सभी संबंधित निर्माण-कार्य शामिल हैं, लेकिन नहर प्रणालियां शामिल नहीं हैं, जिनका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश के संबंधित राज्यों द्वारा किया जाएगा, दक्षतापूर्वक, मितव्ययतापूर्ण और शीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये बाणसागर नियंत्रण बोर्ड की स्थापना करने का

फैसला किया है। इस परियोजना का समग्र कार्यभार, जिसमें उसके तकनीकी और वित्तीय पहलू भी शामिल हैं, इस नियंत्रण बोर्ड पर होगा। वास्तविक निर्माण-कार्य मध्य प्रदेश सरकार के संबद्ध मुख्य इंजीनियर द्वारा इस नियंत्रण बोर्ड के निदेशन के अन्तर्गत किए जाएंगे।

#### कार्यकारिणी समिति

रैरा 8 में प्रविष्टि (2) (ख) और (ङ) इस प्रकार प्रस्थापित की जाती है:—

- (ख) वित्तीय सलाहकार, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग)।
- (ङ) संयुक्त सचिव, (गं० जे०) कृषि और सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग) भारत सरकार।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों, राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिवों, प्रधान मंत्री कार्यालय भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार, योजना आयोग तथा केन्द्रीय सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को सूचनाएं भेजी जाएं।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि वे इसे सार्वजनिक सूचना के लिये राज्य के राजपत्रों में प्रकाशित करें।

सुरेन्द्र बहादुर खरे, संयुक्त सचिव

#### रेल मंत्रालय

#### (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1978

#### नियमावली

सं० 77/ई० (जी० आर०) 1/15/3—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियां भरने के लिये 1978 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिश्र प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित की जाती है।

#### वर्ग I सिविल इंजीनियरी

##### ग्रुप क सेवाएं/पद

- (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (iv) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (v) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (सिविल इंजीनियरी पद)
- (vi) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (vii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (viii) सहायक इंजीनियर (सिविल), (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (ix) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।

##### ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (x) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कंध
- (xi) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण-स्कंध, आकाश-वाणी।

#### वर्ग II—यांत्रिक इंजीनियरी

##### ग्रुप क सेवाएं/पद

- (i) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (iii) भारतीय पूर्ति सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (iv) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (v) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (vi) सैनिक इंजीनियर सेवा (वैद्युत तथा यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (vii) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (viii) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा; (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (ix) यांत्रिक इंजीनियरी (कनिष्ठ), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
- (x) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
- (xi) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), (डाक-तार दूर-संचार तार-खाना संगठन)
- (xii) सहायक इंजीनियर (यांत्रिक)—सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय
- (xiv) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

##### ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (xv) सहायक यांत्रिक इंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण,
- (xvi) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

#### वर्ग III वैद्युत् इंजीनियरी

##### ग्रुप क सेवाएं/पद

- (i) वैद्युत् इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (iv) भारतीय पूर्ति सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (v) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (vi) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा; (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (vii) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (viii) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत्) (डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (ix) सैनिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत् तथा यांत्रिक संवर्ग) (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (x) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत्), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

##### ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (xi) सहायक इंजीनियर (वैद्युत्) (डाक तार इंजीनियरी स्कंध)
- (xii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत्), सिविल निर्माण स्कंध, आकाश-वाणी।
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी, (वैद्युत्), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।



वर्ग IV—इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी ग्रुप  
ग्रुप क सेवाएं/पद

- (i) मिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल संचार सेवा (दूर संचार/इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)
- (iii) टेलीग्राफ इंजीनियरी सेवा
- (iv) इंजीनियर, वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कंध/प्रमुख संगठन।
- (v) उप प्रभारी इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा
- (vi) सहायक स्टेशन इंजीनियर, आकाशवाणी
- (vii) तकनीकी अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।
- (viii) संचार अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।
- (ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा I (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)
- (x) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रानिक इंजीनियर पद)
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (xii) कर्मशाला अधिकारी (इलेक्ट्रानिकी), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (xiii) टेलीग्राफ यातायात सेवा
- (xiv) सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी
- (xv) सहायक इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा
- (xvi) तकनीकी सहायक (ग्रुप ख, अराजपत्रित), समुद्रपार संचार सेवा
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी (इलेक्ट्रानिकी), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

1 उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित परीक्षा योजनाओं के आधार पर की जाएगी।

उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग संख्याओं में से किसी एक या अधिक के लिये प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिये वह बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्होंने सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उन पर विचार किया जाएगा, जिनके लिये उन्होंने अपनी बरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिये नहीं।

सेवाओं/पदों के वर्ग या वर्गों जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत् इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिये उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है, उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित बरीयताओं के परिवर्तन के किसी अनुरोध पर सब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबंध अनुरोध 30 अक्टूबर, 1978 का या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाए।

ध्यान दें: उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिये अपनी बरीयता बताएं जिनके लिये वे नियमों की शर्तों के ख० त० अनुसार पात्र हो और जिनके लिये वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के लिये वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सर्वाधिक परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई बरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5(ख) या 5(ग) या 5(घ) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिये गये उम्मीदवार केवल उनमें उल्लि-  
2—21 GI/78.

खित सेवाओं/पदों के लिये ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिये उनकी बरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की बरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिये ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिये बरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये भारक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का अर्थ संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, (अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां सूचियां आशोधन) आदेश, 1956, (बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (संशोधन) और निकोबार द्वीप समूह अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 और, संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970; में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

3. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहाँ होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

4. कोई उम्मीदवार या तो:—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थायी निवास के द्वारे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थायी निवास के द्वारे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जैरे हाथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्त हो,

किन्तु यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया हो।

5 (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1978 की 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 27 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1951 से पहले और 1 अगस्त, 1958 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित प्राधिकारियों में से किसी के नियंत्रण में रहने वाले विभाग/कार्यालय में नियोजित हैं और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित ममरूपी (सेवाओं) /पद (पदों) हेतु परीक्षा में बैठने का आवेदन करते हैं तो उनके मामले में 27 वर्ष की ऊपरी आयु सीमा में छूट देकर 32 वर्ष तक कर दी जाएगी।

(i) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्त परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(ii) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1977 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम 1	कालम 2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप क०, सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप क०
पूर्ति व निपटारा महाविदेशालय इंजीनियर-इन-चीफ थल सेना मुख्यालय	आई० एस० एस० ग्रुप क० एम० ई० एस० ग्रुप क० (बी० एण्ड आर० केडर) एम० ई० एस० ग्रुप क० (ई० एण्ड एम० केडर)
आयुध कारखाना महाविदेशालय केन्द्रीय जल आयोग	आई० ओ० एफ० एस० ग्रुप क० सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप क) सेवा
केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क
बेता र आयोजन तथा सभन्वय स्कंध/ अनुश्रवण संगठन, समुद्रपार संचार सेवा	इंजीनियर (ग्रुप क), डिप्टी इंजीनियर-इन-चार्ज (ग्रुप क), सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (तकनीकी सहायक ग्रुप ख—प्रराजपक्षित)।
आकाशवाणी	सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) सिविल/इलेक्ट्रिकल, सिविल कन्स्ट्रक्शन विभाग, आकाशवाणी,
नागर विमानन विभाग	तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) संचार अधिकारी (ग्रुप क०)
भारतीय नौ सेना आक-तार विभाग	भारतीय नौ सेना आयुध सेवा तार इंजीनियरी सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल, वैद्युत्) ग्रुप क, आक-तार सिविल स्कंध
सीमा सड़क संगठन	सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत्) ग्रुप ख, आक-तार सिविल स्कंध सहायक इंजीनियर (कारखाना) ग्रुप क, आक-तार दूर संचार कारखाना संगठन।
	सीमा शुल्क इंजीनियरी सेवा

नोट (1) प्रशिक्षण की अवधि के बाव यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिये प्रशिक्षण की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी।

नोट (2) जो उम्मीदवार 29-5-1976 से पहले आक-तार विभाग में इन अस्थाई पदों अर्थात् (i) रिपोटर स्टेशन असिस्टेंट, (ii) फोरमन या तकनीकी सहायक, तार कर्मशाला (iii) अस्थाई सहायक इंजीनियर, कर्मशाला (iv), इंजीनियरी पर्यवेक्षक और (v) कर्मशाला पर्यवेक्षक, में से किसी पद पर थे उन्हें तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क की प्रतियोगिता में बैठने के लिये उपर्युक्त नियम 5(ख) में उल्लिखित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

(ग) तार वातायात सेवा ग्रुप 'ख' के निम्न प्रकार के उम्मीदवारों के मामले में भी 27 वर्ष की ऊपरी आयु सीमा में छूट देकर 32 वर्ष तक कर दी जाएगी :—

(i) वह उम्मीदवार जो आक-तार विभाग में किसी स्थायी पद पर मूल रूप में आरूढ़ हो। उक्त विभाग के स्थायी पद पर लगे किसी परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(ii) वह उम्मीदवार जिसने 1 अगस्त, 1978 तक आक-तार विभाग के निम्नलिखित अस्थाई पदों में से किसी पर कम से कम 2 वर्ष लगातार नियमित आधार पर सेवा कर ली हो :—

- 1 रिपोटर स्टेशन असिस्टेंट
- 2 फोरमन या तकनीकी सहायक, तार कर्मशाला।
- 3 अस्थायी सहायक इंजीनियर, कर्मशाला।
- 4 कनिष्ठ इंजीनियर।
- 5 कर्मशाला पर्यवेक्षक।

(व) इनके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी :—

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(ii) यदि उम्मीदवार दूनपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच भारत की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;

(iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (viii) गन्तु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (ix) गन्तु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (x) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कामियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष; और
- (xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष;।

(ब) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली अगस्त, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापो या तत्कालीन प्रसिद्धित संगठनों से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो।

टिप्पणी:—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिये ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें:—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (ख) या (ग) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायत देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उम्र स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग पत्र दे देता है या उसके विभाग कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किन्तु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग कार्यालय को स्थानांतरित हो जाता है वह उस सेवा पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, यद्यपि कि उसका आवेदन पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

#### 6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्णमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद् अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई किसी अन्य शिक्षा संस्था से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए, अथवा
- (ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो, अथवा
- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए जिसे समय समय पर इस प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, अथवा
- (घ) इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो, अथवा
- (ङ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलेक्ट्रॉनिक्स और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 में पहले ली गई इलेक्ट्रॉनिक्स और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी:—

- (1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनमें उत्तीर्ण हों:—

(i) रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स I के सिद्धान्त (सेक्शन 'ख')

(ii) गणित II (सेक्शन 'बी')।

- (2) कि सम्बद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (i) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिये इलेक्ट्रॉनिक्स और रेडियो इंजीनियरी की संस्था, लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलेस आयोजन तथा मन्त्रालय स्कंध/अनुसंधान संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर ग्रुप क, समुद्रपार संचार सेवा में उप प्रभारी इंजीनियर ग्रुप क, आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क, भारतीय नौसेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी पद), आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख, समुद्रपार संचार सेवा में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और समुद्रपार संचार सेवा में तकनीकी सहायक (ग्रुप ख अराजपतित) के पदों के लिये उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो, जैसे—

वायरलेस संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम० एस०-सी० डिग्री या समकक्ष।

नोट 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह वैश्विक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मान्यता जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अक्टूबर, 1978 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा की गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

नोट 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विदेशी विषयविद्यालय की ऐसी डिग्री है, जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है, वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हो, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों, उन सब को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की ओर से आयोग के नोटिस के अनुबंध के पैरा-2 में दिये गये अनुदेशों के अनुसार "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक बैठने नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र गटिफिकेट आफ एजमीशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने :—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जारी प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है; अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो झल्लिल भाषा में या अभद्र भाषण की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो।
- (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यभिचारित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (किमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उक्त परीक्षा से जिनका वह उम्मीदवार है बैठने के लिये अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिये

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिये इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण के लिये साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुला सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिये गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसंधान की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिये आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, आगे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिये अनुशासित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उससे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिये आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि (विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद) किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिये जो उम्मीदवार अर्हता प्राप्त कर लेते हैं केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा या तो साक्षात्कार से पहले या साक्षात्कार के तुरन्त बाद साक्षात्कार के लिए बुलाए गए स्थान पर की जाएगी। उम्मीदवार शुल्क के रूप में रु० 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे। उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा हो जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि नियुक्ति के लिये उसके मामले में विचार किया ही जाएगा।

निराशा से बचने के लिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले मित्रिय सजैन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टररी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टररी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मातृक परिशिष्ट II में दिये गये हैं। 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा बल में कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं में स्तर में छूट दी जाएगी।

18 जिग व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

पी० एन० मोहिले, सचिव

#### परिशिष्ट 1

1 परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :-

भाग 1 :—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग I में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग II में परम्परागत प्रश्न-पत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा पाठ्यक्रम जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत् इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिये निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग II :—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हताप्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2 लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :-

वर्ग I—सिविल इंजीनियरी

(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)]

विषय	समय	पूर्णांक
भाग 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य अंग्रेजी	1 घंटा	100
सामान्य अध्ययन	1 घंटा	100
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
(सिविल इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के भाग से संबद्ध)		
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
(सिविल इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के शेष भाग से संबद्ध)		
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
सिविल इंजीनियरी	3 घंटे	200
(सिविल इंजीनियरी की पूर्ण पाठ्यचर्या से संबद्ध)		
योग		800

वर्ग II—यांत्रिक इंजीनियरी

(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य अंग्रेजी	1 घंटा	100
सामान्य अध्ययन	1 घंटा	100
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के भाग से संबद्ध)		
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
(यांत्रिक इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के शेष भाग से संबद्ध)		
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
यांत्रिक इंजीनियरी (यांत्रिक इंजीनियरी की पूर्ण पाठ्यचर्या से संबद्ध)	3 घंटे	200
योग		800

वर्ग III—वैद्युत् इंजीनियरी

(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य अंग्रेजी	1 घंटा	100
सामान्य अध्ययन	1 घंटा	100
वैद्युत् इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
(वैद्युत् इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के भाग से संबद्ध)		
वैद्युत् इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
(वैद्युत् इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के शेष भाग से संबद्ध)		
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
वैद्युत् इंजीनियरी	3 घंटे	200
(वैद्युत् इंजीनियरी की पूर्ण पाठ्यचर्या से संबद्ध)		
योग		800

वर्ग IV—इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरी

(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य अंग्रेजी	1 घंटा	100
सामान्य अध्ययन	1 घंटा	100
इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटा	200
(इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के भाग से संबद्ध)		
इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II (इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार इंजीनियरी की पाठ्यचर्या के शेष भाग से संबद्ध)	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरी	3 घंटे	200
(इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरी की पूर्ण पाठ्यचर्या से संबद्ध)		
योग		800

नोट :—परम्परागत प्रश्न-पत्र की उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच और अंक निदेशन केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जो वस्तुपरक प्रकार की परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम स्तर प्राप्त कर लेते हैं।

3. अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जानकारी मिल सके।

4. सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के प्रेक्षण और अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आणा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किये बिना ही दे सकेंगे।

5. विविध इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं के लिये वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों और परम्परागत प्रश्न-पत्रों की पाठ्यचर्या उस स्तर की होगी जैसाकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में और इंजीनियरी डिग्री स्तर पर विविध इंजीनियरी कालेजों में पढ़ाई जाती है।

6. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्वता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

7. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिये जाएंगे।

8. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्तियों की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

9. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

10. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

11. लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिये जाएंगे।

12. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को ध्यान दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग की ओर सही हो।

13. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तौल और माप की मीटरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट :—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय मानक संस्था द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

## परिशिष्ट—II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिये भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।]

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराए जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐमा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के उपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएंगे। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जाँच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिये कद और छाती के घेर के लिये कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेर (पूरा फुला- कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल, वैद्युत, यांत्रिक और सिग्नल) और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क तथा केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क.			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 सें०मी० 84 से०मी० 100 सें०मी०	5 से०मी० 79 सें०मी०	5 से०मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 सें०मी० 79 सें०मी०	5 से०मी०	

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वासियों असमियों, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टता ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, ग्रुप क तथा भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप क के लिये छाती की नाप में कम से कम 5 सें०मी० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, निवाय एड्रियों के पाँवों के अंगूठे या किमी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी ऐड्रिया पिड़सियां, नितग्न और कंधे माप दंड के साथ लगे होंगे। उसकी टोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि निर का स्तर (बटैक्स आफ दि हेड लेवल) हारिजेंटल, बाए (आई छड़) के नीचे जाए। कद सेंटी मीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

## 4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांख जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्दे इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फोरियर-एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्दे से जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा तथा छाती से अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलो-ग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुगुअस स्ट्रैक्चर्स) या कोई ऐसा रोग हो जो उसे अंध या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि—तीक्ष्णता (विजुअल एक्युइटी)—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिये दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की अलग अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नैकेड आइ विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

सेवाएं	दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
	अच्छी आंख खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	अच्छी आंख खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

## क. तकनीकी

1. रेल इंजीनियरी  
सेवाएं (सिविल),  
वैद्युत्, यांत्रिक और  
सिग्नल)

2. केन्द्रीय इंजीनियरी  
सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय  
वैद्युत् तथा यांत्रिक  
इंजीनियरी सेवा  
ग्रुप क

1	2	3	4	5
केन्द्रीय जल इंजीनि- नियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजी- नियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क तथा तार इंजी- नियरी सेवा ग्रुप क, सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत्)	6/6 अथवा 6/9	6/12 6/9	के I	जे II
ग्रुप क (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)				
सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत्) ग्रुप ख (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)/इन्स्पे. पी० एंड सी० स्कंध, अनु- श्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर का पद/ओ० सी० एस० में डिप्टी इंजी- नियर इन्चार्ज, ग्रुप क, आकाशवाणी में सहा- यक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क, नागर विमा- नन विभाग में तक- नीकी अधिकारी ग्रुप क, नागर विमानन विभाग में संचार अधिकारी ग्रुप क, भार- तीय नौसेना, आयुध सेवा, में भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप क, आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख, ओ० सी० एस० में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और ओ० सी० एस० में तकनीकी सहायक (ग्रुप ख—अराजपत्रित)				
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तथा सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप क, डाक-तार संचार कारखाना संगठन।	6/6 6/9	6/10 6/9	जे I	जे II

1	2	3	4	5
ख. गैर-तकनीकी				
4. भारतीय रेल संचार सेवा, तार यातायात सेवा, ग्रुप ख, भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप क, सहायक डिजिटल इंजीनियर ग्रुप क और भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क।	6/9	6/12	जे I	जे II

नोट : (1)

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मिथोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिमाण -4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिमाण +4.00 डी० से अधिक नहीं होगा।

किन्तु शर्त यह है कि 'तकनीकी' (रेल मंत्रालय के अधीन सेवाओं के अलावा अन्य) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मिथोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विज्ञानियों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जायेगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मिथोपिया रोगात्मक है कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी कर दे।

(ख) मिथोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

नोट : (2)

तार इंजीनियरी सेवा, ग्रुप क, के अलावा उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ण दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे की तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लेंटन में द्वारक (एचंबर) के आकार पर निर्भर हो :—

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लेम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16	18
2. द्वारक (एचंबर) का आकार	1.3 मि०मीटर	13 मि०मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकेंड	5 सेकेंड

रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल, वैद्युत, सिग्नल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिये ऊंचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए।

सेवाओं/वर्गों के वर्ण, जिनके लिये उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है, नीचे दिये जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिये उच्च ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है।

- (i) रेल इंजीनियरी सेवा
- (ii) सैन्य इंजीनियरी सेवा

- [(iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (v) संचार अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग
- (vi) तकनीकी अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग
- (vii) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार)—दूर संचार कारखाना (संगठन)

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिये निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है।

- (i) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (ii) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
- (iii) भारतीय नौसेना आयुध सेवा का ग्रेड II
- (iv) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (vi) सहायक कार्यकारी अधिकारी (सिविल तथा वैद्युत), ग्रुप 'क' (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (vii) सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप 'क' आकाशवाणी
- (viii) इंजीनियर ग्रुप 'क' बेतार आयोजन और समन्वय स्कंध, अनुश्रवण संगठन
- (ix) उप प्रभारी इंजीनियर ग्रुप 'क' समुद्र पार संचार सेवा
- (x) सहायक इंजीनियर (सिविल, वैद्युत दूर संचार और इलेक्ट्रॉनिकी) ग्रुप 'ख', आकाशवाणी।
- (xi) सहायक इंजीनियर (सिविल और वैद्युत), ग्रुप 'ख' (डाक-तार, सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- [(xii) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख', समुद्रपार संचार सेवा।
- (xiii) तकनीकी सहायक ग्रुप 'ख', भ्राराजपत्रित समुद्रपार संचार सेवा।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिये एशिया का प्लेटों तथा एड्रिजपीन की लेंटन दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

नोट (3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन बिधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। अब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट (4) रतीधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़ कर रतीधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतीधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिये कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम बलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट (5) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतीधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा।

नोट (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की बशाएं (आक्युलर कंडीशन्स)

(क) आंख की अंध संबंधी बीमारी को या बड़की हुई अपवर्तन-वृत्ति (रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।



(ख) भैगापन :—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहाँ दोनों आँखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भैगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों ना हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भैगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आँख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आँख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आँख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उप-सामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिये उसके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कई सिविल पदों के लिये ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशाना कर सकता है बशर्ते उसकी सामान्य आँख :—

- (i) की चपटा लगाकर या चपटे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे I है बशर्ते कि किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि संबंधी दोष 4 डायॉप्टर से अधिक न हो।
- (ii) का दृष्टि क्षेत्र पूर्ण हो,
- (iii) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दृष्टान।

किन्तु बोर्ड सतुष्ट हो कि उम्मीदवार सर्वप्रथम कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्रवाई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिये दृष्टि की तीक्ष्णता का निश्चित किया हुआ उपयुक्त मानक लागू होगा।

नोट (7) :—कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

नोट (8) :—आवश्यक है कि आँख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिये टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कैंडिल की प्रदीप्ति जैसी हो।

नोट (9) :—मरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7. रक्त चाप (ब्लड प्रेशर) :—

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मैक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- [(i) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आधी आयु का सामान्य बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबकाहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (फिजिकल) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्रेयोरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :—

निम्नतः पारे वाले बाबमापों (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या धबकाहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम

से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोगी के पाश्वर्क पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ग्रेफिग्रल आर्टरी) का दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच०-जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की कमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिम स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़गी। जिम स्तर पर से माफ और अचली सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बकी हुई सी सुन प्रायः हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफ़ी थोड़ी अवधि में ही ले लेनी चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं; बाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रगट हो जाती हैं। इस "माइलट गप" में रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8 परीक्षक की उपस्थिति में किये गए मूल की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चल तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के श्रोतक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोस मेह अमधुमेही (मान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भजगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये जह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

8(क) यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गभवनी पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रमुख पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

9. निम्नलिखित प्रतिरक्त बातों का प्रेषण किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का हलाक शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से उसे तो उम्मीदवार हो इस आधार पर या योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बड़ने वाली न हो। यह उपसंघ भारतीय रेल भंडार सेवा के प्रस्तावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तार यातायात सेवा ग्रुप

ख, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :—

- (1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन, दूसरे कान सामान्य होगा। यदि ह्यार फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी कार्यों के लिये योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की समीक्षकियों में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिये योग्य।
- (3) सैन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र। (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थाित सुधारने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है। (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य। (iii) दोनों कानों में सैन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (4) कान के एक और/दोनों और से मस्टायड कैविटी से सब नार्मल श्रवण। (i) किसी एक कान से सामान्य रूप से एक और से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्मल लक्षण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिये योग्य। (ii) दोनों और से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य। किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
- (5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (6) नामापट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बौनी डि-फार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा। (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। (ii) लक्षणों सहित नामापट विचलन विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (7) टॉसिलस और/या कंठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं। (i) टॉसिलस और/या कंठ की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य। (ii) यदि आवाज में अस्थायी कमी विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर मैलिगनेंट ट्यूमर। (i) हल्का ट्यूमर-अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) मैलिगनेंट ट्यूमर-अयोग्य।
- (9) आटोफिकलरोसिस आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की गड़बड़ाहट से कण्ठ 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के सतश्चक जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो-योग्य। (ii) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो-अयोग्य।
- (11) नेजल पोली। अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (ख) यह बिना बकावट बोल लेना निति है।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह खाने के लिये जरूरी होने पर नरकी दात लगे हू या नहीं। (अच्छी तरह चरे हुए दातों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलती है तथा उमका दिल या फेफड़े ठीक हैं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रक्तचर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईब्लूमीन, स्फीन शिरा या बयामीर तो नहीं है।
- (ज) उसके भ्रूणों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उनकी अधियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।
- (ट) उसके किसी उम या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) उसके शरीर पर कांकर टोके के निशान हैं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्प्युनिकेबिल) रोग नहीं है।

10 बिल और फेकड़ों की किसी ऐसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिये जो माधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमो रुन से छाती को एकपरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मने तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा ड्यूटी के अधेतिन दशापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिये उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिये निशुल्क स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिये कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जाच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड द्वारा निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की सभाषना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल-प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाणपत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि इससे सम्बंधित मेडिकल प्रेक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग-दर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है।—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में सबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि कोई हो) के लिये उचित गजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी, रचना संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इनफार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की सभाषना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और म्यायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशान या अदायगियों का रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की सभाषना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए। ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत ब्योरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है यहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो सबंध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार "अस्थाई तौर पर अयोग्य" करार दिया जाय तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न करके नियुक्ति के लिये वे योग्य हैं अथवा अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा:—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी

की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है।—

1. अपना पूरा नाम लिखें \_\_\_\_\_  
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें \_\_\_\_\_

2. क्या आप ऐसी जाति जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रूक-रूक कर होने वाला या या कोई दूसरा बुखार, ग्रिथियां (ग्लैण्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, धूक में खून आना, बम, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रिह्यूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आप को शेषक आदि का टीका पिछली बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई।

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्योरे दें—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
1	2	3	4

यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनें की मृत्यु हो चुकी है। उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
5	6	7	8

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां', में हो तो बताइए किस सेवा (किन सेवाओं) / पद (पदों) के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था—  
 10. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ हुआ?—  
 11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो?—

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—  
 मेरे सामने हस्ताक्षर किये—  
 बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बाधक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरनुएशन अलाउंस) या आनुवीकिक (ग्रैज्युटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ————— (उम्मीदवार का नाम)  
 की शारीरिक परीक्षा के संबंध में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास :—अच्छा—साधारण—कम—बोधन :—  
 पतला—औसत—मोटा—  
 कद (जूते उतार कर)—वजन—  
 अत्युत्तम वजन—कब था—  
 वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—  
 तापमान : ———  
 छाती का घेर ———  
 (1) पूरा सांस खींचने पर ———  
 (2) पूरा सांस निकालने पर ———  
 2. रक्ता—कोई प्रत्यक्ष बीमारी—  
 3. नेत्र :—  
 (1) कोई बीमारी ———  
 (2) रतीघी ———  
 (3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष—  
 (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—  
 (5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)—  
 (6) फंडस की जाँच ———

दृष्टि की तीक्ष्णता जघमे के बिना जघमे के साथ जघमे की प्रबलता

स्फी० सिबि० एक्सिस०

बुर की नजर	दा० ने० बा० ने०
पास की नजर	दा० ने० बा० ने०
हाईपरमथोपिया	दा० ने० बा० ने०

4. कान : निरीक्षण—सुनना  
 बायाँ कान ————— बायाँ कान ———  
 5. ग्रंथिया ————— थाइराइड ———  
 6. दातों की हालत ———  
 7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरिटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर साँस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता चला है—  
 यदि हाँ, तो उसका पूरा न्योरा दें—

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलिटरी सिस्टम) ———

(क) हृदय : कोई आंगिक विकृत (आंगनिक लीजन)—  
 वेग (रेट) ———  
 खड़े होने पर ———  
 25 बार फुदकने के बाद ———  
 फुदकने के 2 मिनट बाद ———  
 (ख) ब्लड प्रेशर ——— सिस्टोलिक ———  
 डायस्टोलिक ———

9. उदर (पेट) :—घेर ——— स्पर्श—सह्यता (सेटेंडनेस)—  
 हागनिया ———

(क) स्पर्श यकृत ———  
 तिल्ली ——— गुर्दे ———  
 द्यूमर ———  
 (ख) रक्तार्श ———  
 भगंबर ———

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) : तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत ———

11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम); कोई अपसामान्यता ———

12. जनन मूल तंत्र (जेनिटो (यूरीनरी सिस्टम) :—हाइड्रोसोल बैरिका-  
 सील आदि का कोई संकेत। मूल विश्लेषण :—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ———  
 (ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी) ———  
 (ग) ऐल्ब्यूमेन ———  
 (घ) शक्कर ———  
 (ङ) कास्ट ———  
 (च) कोशिकाएं (सेल्स) ———

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट ———

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे यह उरा सेवा से सम्बद्ध, जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को वक्षता पूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है।

नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम 8(क) के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिये जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के वक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिये सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिये अयोग्य पाया गया है?

क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिये योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य (फिट) ———  
 (ii) ——— के कारण अयोग्य (अनफिट)  
 (iii) ——— के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य।

स्थान ——— अध्यक्ष ———

तारीख ——— सदस्य ———

## परिशिष्ट III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिये उस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल वैद्युत् इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा।

(1) तीन वर्ष की अवधि के लिये नियुक्तियां परीक्षा के आधार पर होंगी जिसके दौरान अधिकारियों की सेवा किसी भी तरह से तीन महीने का नोटिस मिलने पर समाप्त की जा सकेगी। परीक्षाधीन अधिकारियों को पहले दो वर्ष प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। जो इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लेगे तथा अन्यथा उपयुक्त पाए जाएंगे, किसी कार्यकारी पद के प्रभारी बना दिए जाएंगे बशर्ते कि उन्होंने निर्धारित विभागीय परीक्षा तथा अन्य परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली हों। ध्यान रहे कि नियमानुसार ये परीक्षाएं पहले अवसर पर ही उत्तीर्ण कर ली जाएं क्योंकि आपवाकिक परिस्थितियों को छोड़कर इन्हें उत्तीर्ण करने का दूसरा अवसर नहीं दिया जाएगा। उक्त कोई परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाने पर सेवा समाप्त भी की जा सकती है पर वेतन वृद्धि हर हालत में रोक दी जाएगी।

कार्यकारी पद पर एक वर्ष की समाप्ति पर परीक्षाधीन अधिकारियों को अंतिम परीक्षा-प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक दोनों रूप में उत्तीर्ण करनी होगी और यदि वे नियुक्ति के लिये राब तरह से योग्य हुए तो उन्हें नियमतः ही स्थाई बना दिया जाएगा। जब किसी कारणवश परीक्षा की अवधि बढ़ा दी जाए तो विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने और स्थाई बना दिये जाने पर प्रथम तथा बाद की वेतन वृद्धियां समय समय पर लागू नियमों व आदेशों के अनुसार प्राप्त की जाएंगी।

यदि परीक्षाधीन कोई अधिकारी किसी ऐसे कारणवश जिस पर उसका काबू हो या प्रशिक्षण या परीक्षा से अपने आपको वापस लेना चाहता है तो उसकी प्रशिक्षण की पूरी लागत तथा परीक्षा की अवधि के दौरान दिया गया अन्य सभी खर्चा-पैसे वापस लौटाना होगा।

नोट (i) — कार्यकारी पद पर प्रशिक्षण की अवधि तथा परीक्षा की अवधि सरकार की इच्छा पर घटाई-बढ़ाई जा सकती है। जब किसी मामले में प्रशिक्षण संतोषजनक रूप में पूरा न हो सकने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो उरी के अनुरूप परीक्षा की पूर्ण अवधि भी बढ़ जायेगी।

नोट (ii) — परीक्षाधीन अधिकारियों को रेल स्टाफ कालिज, बड़ौदा में भी प्रशिक्षण पाना होगा। स्टाफ कालिज में परीक्षण अनिवार्य है और आपवाकिक परिस्थितियों को छोड़कर तथा इस शर्त पर कि अधिकारी का रिकार्ड ऐसा है कि उसे छूट दे दी जाए अनुत्तीर्ण रहने पर दोबारा अवसर नहीं दिया जाएगा। परीक्षण में उत्तीर्ण न होने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं तथा जब तक अधिकारी परीक्षण में उत्तीर्ण नहीं हो जाता उसे किसी भी हालत में स्थायी नहीं किया जा सकता और उनके प्रशिक्षण और/या परीक्षा की अवधि अनिवार्यतः बढ़ाई जाती रहेगी।

नोट (iii) :— रेलों में सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में जहां दूर संचार के विशिष्ट पद हैं किसी भी मामले में दूर संचार में छह मास का अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

(2) (क) परीक्षाधीन अधिकारियों को कही और नियुक्ति हेतु, आवेदन करने या अन्य सेवाओं में भर्ती हेतु परीक्षा या चयन में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) अब रेल सेवा में उनके आवंटन से पहले परीक्षाधीन अधिकारी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षाओं में पहले ही सम्मिलित हो चुके हों तथा रेल सेवाओं के अलावा अन्य सेवाओं में नियुक्ति हेतु अर्हता प्राप्त कर चुके हों तब रेल सेवाओं से उन्हें मुक्त करने के प्रश्न पर तभी विचार किया जाएगा जब वे प्रशिक्षण की लागत तथा परीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें दिए गए अन्य धन को वस्तुतः कार्य भार मुक्त होने से पहले नकद रूप में लौटाने के लिये तैयार हों।

(3) परीक्षाधीन अधिकारियों को अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा वेतनागरी लिपि में पहले ही उत्तीर्ण कर लेनी चाहिए थी या उन्हें परीक्षा की अवधि के दौरान उसको उत्तीर्ण कर लेना चाहिए। यह परीक्षा या तो शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन द्वारा ली जा रही है 'प्रवीण' हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है तब तक वह स्थाई नहीं किया जाएगा या उस समय वेतनमान में उसका वेतन रु० 780 प्र० मा० तक नहीं बढ़ाया जाएगा और ऐसा न कर पाने पर उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। इस मामले में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(4) इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी—

(क) पेंशन लाभ के अधिकारी होंगे और

(ख) जैसा कि रेल कर्मचारियों पर लागू है राज्य रेल (गैर-अंशदायी) भविष्य निधि के नियमों के अधीन इस निधि में अनिवार्यतः अंशदान करेंगे।

(5) वेतन सेवा आरम्भ करने की तारीख से देय होगा। वेतन वृद्धि हेतु सेवा भी उसी तारीख से गिनी जाएगी। वेतन से संबंधित विवरण उप-पैरा (8) में उल्लिखित है।

(6) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी इस समय लागू नियमों, जो कि भारतीय रेलों के अधिकारियों पर लागू हैं, के अनुसार अवकाश के हकदार होंगे।

(7) अधिकारी साधारणतया सेवा भर के लिये उसी रेलवे में नियोजित किए जाएंगे जिसमें उनकी पहली नियुक्ति हुई है और वे किसी दूसरी रेलवे में स्थानान्तरण का दावा अधिकार के रूप में नहीं करेंगे। किन्तु सरकार को अधिकार होगा कि इन अधिकारियों को सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार भारत में या भारत के बाहर दूसरी रेलवे या परियोजना पर स्थानान्तरित कर दे। रेलवे इंजीनियरी सेवा (सिविल, वैद्युत्, यांत्रिक तथा सिगनल) में नियुक्त अधिकारियों को आवश्यकता पड़ने पर भारतीय रेल भंडार सेवा में कार्य करना होगा।

(8) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं:—

कनिष्ठ वेतनमान: रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1200।

वरिष्ठ वेतनमान: रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड: रु० 1500-60-1800-100-2000।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड: (i) 2250-125/2-2500।

(ii) रु० 2500-125/2-2750।

टिप्पणी:—(i) परीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम से शुरू करेंगे तथा वेतनवृद्धि हेतु अपनी सेवा को कार्यारम्भ करने की तारीख से गिनेंगे। किन्तु इससे पहले कि उनका वेतन समय वेतनमान में रु० 740/- रु० से बढ़कर 780/- रु० प्र० मा० हो सके उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा (एं) उत्तीर्ण करनी होगी।

प्रशिक्षण तथा परीक्षा की अवधि के पहले दो वर्ष के अन्दर यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उनकी रु० 740/- से 780/- तक वेतनवृद्धि नहीं की जाएगी। उन मामलों में जहां विनिश्चित अवधि के अन्दर सभी विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न कर पाने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ानी पड़ी हो, प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने के बाद उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन, जिस तारीख को पिछली परीक्षा समाप्त हो, उसके बाद की तारीख से उक्त समय वेतनमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का बढ़ावा नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतनवृद्धियों की तारीखें अप्रभावित रहेंगी।

नोट II — जिस सरकारी कर्मचारी ने परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवश्यक पद के अलावा कोई स्थायी पद मूल रूप से धारित किया हो, उसका वेतन नियम 2018 ए० (एफ० आर० 22-बी० (1)) आर० II के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(9) वेतन वृद्धियाँ उपर्युक्त उपपैरा (8) के अधीन नोट (1) के उपपैरा के अधीन केवल अनुमादित सेवा हेतु और विभाग के नियम के अनुसार दी जाएगी।

(10) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को, जरूरत पड़ने पर, भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बंधित पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को —

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) साधारणतः 45 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(11) प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नतियाँ सस्वीकृत स्थापना में रिक्तियों के होने पर निर्भर होंगी तथा पूरी तरह चयन द्वारा की जाएंगी, केवल शरिष्ठता के आधार पर उस तरह की पदोन्नति के लिये दावा नहीं किया जाता है।

(12) जिस मामले का इसमें विनिर्दिष्ट उल्लेख नहीं है उन सभी में परीक्षाधीन अधिकारियों पर समय समय पर सशोधित भारतीय रेल सहित के उपबन्ध तथा सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रभावी आदेश लागू होंगे।

(13) भारतीय-रेल-इजीनियर सेवा, भारतीय रेल वैद्युत इजीनियर सेवा, भारतीय रेल सिगनल इजीनियर, सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा में नियुक्त अधिकारियों के संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

#### भारतीय रेल-इजीनियर-सेवा

रेलवे इजीनियर प्रमुखतः अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी वे एंज वक्र्स तथा साथ में पुलों की सुरक्षा व अनुरक्षण करने के लिए जिम्मेदार हैं जिनके लिये उसे पूरे सब-डिवीजन में आवश्यक निरीक्षण करने पड़ते हैं। वह प्रस्तावों की यथार्थता तथा दुरुस्ती, योजनाओं तथा आकलना, विस्तृत आयोजन, निर्माणों की गुणवत्ता तथा प्रगति और साथ में उनकी माप, भंडारों का सस्थापन और श्रमिकों का प्रबन्ध और तथा उनको समयानुसार अदायगी के लिये भी जिम्मेदार है। उसको अपने सब-डिवीजन हेतु बजट अलाटमेंट के परिप्रेक्ष्य में व्यय पर नियंत्रण रखना पड़ता है।

#### भारतीय रेल-यांत्रिक-इजीनियर-सेवा

भारतीय रेलों के यांत्रिक इजीनियरों को निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक में तैनात हो जाने पर कार्यकारी कर्तव्य निम्नाने पड़ते हैं —

(क) ओपिन लाईन (जोनल) रेलमार्गों पर कार्यकारी कर्तव्य जिनमें रोलिंग स्टॉक का कुशल प्रबन्ध/उपयोग/मरम्मत और अनुरक्षण, लोकोमोटिव्स/कोचों/वैनो/रेल कारों/क्रैनो आदि का चालू रखना, मरम्मत तथा पुनरुद्धार करना सम्मिलित है।

(ख) निम्नलिखित में कार्यशाला संबंधी प्रबन्ध—

(1) जोनल रेलवे रिपेयर वर्कशॉप

(11) रेल मंत्रालय के अधीन उत्पादन एकक।

कर्तव्यों में उत्पादन/कर्मशाला प्रबन्ध, अलग अलग सक्षमों के श्रमिकों का नियोजन/वर्गी निवेश/सुविधाएँ आदि, जो कि सोचे गए कार्य के स्वरूप के अनुरूप हों, सम्मिलित हैं।

(ग) अनुसंधान/अभिकल्पना/मानकीकरण संबंधी कर्तव्य (आर० डी० एस० ओ०) और

(घ) कार्यकारी/तकनीकी कर्तव्य (रेलवे बोर्ड) जिनके लिये रेलवे बोर्ड और अनुसंधान, अभिकल्पना व मानक संगठन के पदों पर चुने गए अधिकारियों में अभिकल्पना के लिये आवश्यक खान की जरूरत पड़े तथा जो उक्त क्षेत्र की सेवा के अनुभव से पुष्ट हो। ये कर्तव्य तकनीकी/कार्यकारी और तकनीकी/अभिकल्पना तथा विकास मानकीकरण आदि से संबंधित हैं। इनमें उत्पादन एकको (ब्रिटरंजन लोकोमोटिव वर्क्स/डीजल लोकोमोटिव वर्क्स/इंटीग्रल कोच फैक्टरी) में कार्य कर रहे अभिकल्पना तथा विकास कोष्ठों में विद्यमान पद/व्यक्ति सम्मिलित हैं।

#### वैद्युत इजीनियरों की भारतीय रेल-सेवा

(1) उनके नियंत्रण में रखे गए श्रमिक तथा पर्यवेक्षकीय कर्मचारियों का नियंत्रण और प्रबन्ध तथा साथ में जन शक्ति के आयोजन में विकास में सहायता।

(11) रेलों के दिनो दिन कुशल चालन के लिये रेलवे में अत-विभागीय समन्वय।

(111) 25 के० बी० ए० सी०/1 5 के० बी० डी० सी० इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (जमीन के नीचे तथा जमीन पर—दोनों तरह के) की अभिकल्पना व विनिर्माण।

(iv) वैद्युत तथा कर्षण उपकरणों जैसे कर्षण मोटर, रिमूविंग रिप्रेक्टर, कन्टेक्टर आदि की अभिकल्पना तथा विनिर्माण।

(v) विद्युतीकरण तथा परिचालन 25 के० बी०/ए० सी० तथा 1 5 के० बी०/डी० सी० कर्षण चित्रण उपकरण, ऐसोसिएटिड सब-स्टेशन, स्विचिंग स्टेशन, सूत्र नियंत्रण उपकरण आदि का अनुरक्षण तथा पुनरुद्धार।

(vi) एल० टी० तथा एच० टी० बालटेज पर विद्युत क प्रजनन, संचरण तथा वितरण और विद्युत गृहों की स्थापना।

(vii) इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स और इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स का परिचालन, रख रखाव तथा पुनरुद्धार।

(viii) हाउस वायरिंग, स्टीट हाउसिंग यार्ड, स्टेशन बिल्डिंग या अन्य सरकारी बिल्डिंगों या इलाक़ों की, जिसका रेलवे द्वारा विद्युतीकरण किया जाता है, लाइटिंग का सस्थापन तथा रख-रखाव।

(ix) ट्रेन लाइटिंग तथा वातानुकूलित उपकरणों और कोचों इजिन हैड लाइट्स का रख-रखाव।

(x) सरकारी भवनों पर ए० सी० उपकरणों का रख-रखाव तथा पुनरुद्धार।

(xi) रेलवे के लिये अपेक्षित वैद्युत उपकरणों का अनुसंधान तथा विकास।

(xii) मशीन टटस का रख-रखाव तथा स्थापना और कर्मशाला तथा उत्पादन एकको में इलेक्ट्रिक मेन्स की रूपरेखा तैयार करना।

(xiii) कुल मिलाकर इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती हुए अधिकारी रेलों में वैद्युत इजीनियरों के कुशल अनुप्रयोग के लिये जिम्मेदार हैं।

(xiv) रेल प्रशासन द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य।

## सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा

## 1. विभाग का कार्य

रेलों का सिगनल व दूर संचार विभाग निम्नलिखित का संस्थापन तथा रख-रखाव करने का जिम्मेदार है—

- 1.1. गाड़ी चालन की सुरक्षा हेतु सिगनल संबंधी उपस्कर और गाड़ी चालन में लचीलापन रखना तथा सेक्शन संबंधी क्षमता बढ़ाना।
- 1.2. प्रशासनिक प्रयोजनों के लिये तथा किसी एक रेलवे या डिप्टी के अंदर गाड़ियों के आने-जाने का लगातार अनुश्रवण हो सके इसके लिये रेलवे बोर्ड, जोनल हेड-क्वार्टर्स, डिप्टीजनल हेड-क्वार्टर्स तथा रेल परिचालन के अन्य प्रमुख केन्द्रों के बीच संचार संबंध स्थापित करने हेतु संचार उपस्कर।

## 2. सिगनल तथा दूर संचार इंजीनियरों के कर्तव्य

- 2.1. ऐसा निर्माण कार्य जिसमें निम्नलिखित का संस्थापन निहित हो :—

विशुद्ध यांत्रिक प्रकार के सिगनल संबंधी उपस्कर से लेकर आधुनिक प्रणाली तक जैसे रूट रिले इण्टर-लॉकिंग, टोकन-लैस ब्लाक बकिंग, सेंट्रलाइज्ड ऑटोमेटिक ट्रेन कंट्रोल प्रादि जिनमें वैद्युत यांत्रिक वैद्युत तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रावधियाँ प्रयुक्त हों।

- 2.1.2. विभिन्न प्रकार के मैनुअल ऑटोमेटिक तथा ट्रंक टेलीफोन, एक्सचेंजों, सूक्ष्मतरंग प्रणालियों, बी० एच० एफ० संचार, एच० एफ० बायरलेस संचार प्रणालियों, रास्ते के स्टेशननों को कंट्रोल आफिस से जोड़ने वाले ट्रेन नियंत्रण प्रणाली आदि का संस्थापन।

- 2.2. सिगनल तथा दूर संचार संबंधी सभी उपस्कर का अनुरक्षण।

## भारतीय रेल भंडार सेवा

भारतीय रेल भंडार सेवा के अधिकारी रेल भंडार के प्रशासन तथा नियंत्रण के लिये जिम्मेदार हैं—सामग्री प्रबन्धक। यह उनका कार्य होगा कि वे सामान तथा भंडार के मामले में रेल की आवश्यकता का पता लगाएं और इसकी पूर्ति की यथा संभव सर्वाधिक कुशलता, किफायत तथा शीघ्रता से व्यवस्था करें। वे उस सामग्री की प्राप्ति, निरीक्षण तथा विभिन्न डिपों को उसके वितरण के लिये, अब तक सामग्री भंडार विभाग के प्रभार में है तब तक उसकी हिफाजत के लिये और रेल के प्राधिकृत अधिकारियों से प्राप्त अधिवाचनाओं पर जारी करने के लिए भी जिम्मेदार हैं।

## 2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

## और

## केन्द्रीय वैद्युत् तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने या कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परीक्षा की अवधि या परीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय हो कि अधिकारी स्थायी नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या परीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति/बरकरारी के लिये उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) इस समय जो स्थिति है वह यह है कि केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' में नियुक्त सभी अधिकारियों के लिए सहायक कार्यपालक इंजीनियर के ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा कर लेने के बाद कार्यपालक इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के यथोचित अवसर प्राप्त है किन्तु शर्त यह है कि वे इस पदोन्नति के लिए अन्यथा उपयुक्त पाए जायें।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंधित किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंधित पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति बरे निम्न प्रकार है :—

कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1100 (छटा वर्ष या कम)-50-1600.

प्रशासनिक (षयन) पद :

अधीक्षण इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000.

मुख्य इंजीनियर (1) रु० 2250-125/2-2500.

(2) रु० 2500-125/2-2750.

इंजीनियर-इन-चार्ज—रु० 3000-100-3500 (केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के लिये)।

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर० 22-बी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय वैद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तर-दायित्वों का स्वरूप।

## (i) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माणों (केन्द्रीय सरकार के) के, जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते करते वे पब्लिस होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुँच जाते हैं।

## (ii) केन्द्रीय वैद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माणों (केन्द्रीय सरकार के) के वैद्युत् घटकों के, जिसमें वैद्युत् संस्थापन, इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर-हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते करते वे पब्लिस होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुँच जाते हैं।

## 3. भारतीय पूर्ति सेवा :—

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि अधिकारी स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे गए तो अपनी नियुक्ति पर स्थायी बना दिए जाएंगे बशर्ते कि स्थायी पद उपलब्ध हों। सरकार परीक्षा की दो वर्ष की अवधि में वृद्धि कर सकती है।

परीक्षा की अवधि या परीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय हो कि अधिकारी स्थायी नियोजन के लिए उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या परीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य-मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

स्थायी होने से पहले अधिकारी को हिन्दी के एक निर्धारित परीक्षण में भी उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) माधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

ग्रेड III—कनिष्ठ (ग्रुप क) वेतनमान :—रु० 700-40-900-रु० 100-40-1100-50-1300।

ग्रेड II—वरिष्ठ (ग्रुप क) वेतनमान :—रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।

ग्रेड I—प्रशासनिक व चयन पद :—रु० 1500-60-1800-100-2000।

सुपर टाइम वेतनमान पद :—(क) रु० 2000-125/2-2250।

(ख) रु० 2250-125/2-2500; (ग) रु० 2500-125/2-2750।

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर०—22(बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(घ) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप क के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

भारतीय पूर्ति सेवा के अधिकारियों के कार्य की प्रमुख मद भारत सरकार तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि की ओर से सामान की खरीद करना तथा वैसे हुए सामान का निपटान करना है। भारतीय पूर्ति सेवा के अधिकारियों से आशा की जाती है कि उनके पास पू० व० नि० महाविदेशालय तथा विदेश स्थित राजदूतावासों/उच्च आयोगों के पूर्ति स्क्वों को भेजे जाने वाले अलग-अलग तरह के मांग-पत्रों का निपटान करने के लिये अपेक्षित तकनीकी आधार है।

## 4. सेना इंजीनियर सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षण उत्तीर्ण करने पड़ सकते हैं। यदि सरकार की राय में किसी

परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक है या ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे उम नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है या यदि सरकार की राय में उमका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि उतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवारों को दो वर्षों की परीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एस० प्रोसीजर सुप्रिन्टेण्डेंट्स (बी/आर० एण्ड ई०/एम०) ग्रेड I एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षण का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एस० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित 1957 के मिनिशियन इन डिफेंस रगिस (फील्ड लाइबिलिटी) रुल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

## वेतनमान

सहायक कार्यपालक इंजीनियर	रु० 700-40-900-रु० 100-40-1100
सहायक निर्माण सर्वेक्षक	50-1200।
कार्यपालक इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।
अधीक्षण इंजीनियर	रु० 1500-60-1800-100-2000।
अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक	
उप मुख्य इंजीनियर	रु० 1500-60-1800-100-2000 तथा साथ में विशेष वेतन रु० 200/-।
मुख्य इंजीनियर	रु० 2250-125/2-2500।
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक	विचाराधीन।

## 5. भारतीय द्राघुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क'

चुने हुए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धक (परीक्षाधीन) के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। द्राघुध कारखाना महानिदेशक की अनुमति पर सरकार परीक्षा की अवधि घटा या बढ़ा सकती है। सहायक प्रबन्धक (परीक्षाधीन) को जो सरकार चाहे वह प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और जो सरकार निर्धारित करे वह विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षण देना होगा। भाषा परीक्षण के अन्तर्गत हिन्दी में भी परीक्षण किया जाएगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उमका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।



(ख) जुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी, तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम० आर० आ० न० 92 दिनांक 9 मार्च 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फोर्ड लाइब्रिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्त करें निम्न प्रकार हैं:—

रु०

कनिष्ठ वेतनमान

महायक प्रबंधक/तकनीकी स्टाफ 700-40-900-६० री०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान

उप प्रबंधक/उप सहायक 1100 (छठा वर्ष या कम) — 50-

महानिदेशक, आयुक्त कारखाना 1600।

प्रबंधक/वरिष्ठ उप महानिदेशक, आयुध कारखाना। 1100-50-1400\*।

उप महाप्रबंधक/महाप्रबंधक 1300-60-1600-100-1800\*।

ग्रेड II/सहायक महानिदेशक, आयुध कारखाना ग्रेड II

महाप्रबंधक ग्रेड I/सहायक महानिदेशक आयुध कारखाना ग्रेड I 2000-125/2-2250

महाप्रबंधक ज्यूनियर ग्रेड (i) 2250-125/2-2500

महानिदेशक, आयुध कारखाना (ii) 2500-125/2-2750

यतिारक्त महानिदेशक रु० 3000 (नियत)

आयुध कारखाना

महानिदेशक आयुध कारखाना रु० 3500 (नियत)

ये परिशोधनपूर्व वेतनमान हैं। परिशोधन वेतनमान बिचाराधीन हैं।

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवाधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० आ० न० 15(6)/64/डी० (एपाइंटमेंट्स)/1051/डी० (सी० IV -1), दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपुर में फाउंडेशनल कोर्स करना होगा।

(ङ) इन प्रकार भर्ती हुए परीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारंभ करने से पहले एक बंध-पत्र भरना होगा।

6 तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप:—

(क) दो वर्ष की अवधि के लिये नियुक्ति परीक्षा पर की जाएगी। सरकार की राय से परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असंतोषजनक है या उससे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थायी 4-21GI/77

रिक्तियाँ उपलब्ध हों, उसे उक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जब भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनकी स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की न्यार्पित के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा,

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) वेतन की प्राप्ति करें निम्न प्रकार हैं:—

कनिष्ठ वेतनमान

रु० 700-40-900-६० री०-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान:

रु० 1100-(छठा वर्ष या कम)-50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

रु० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड:

(i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 2500-125/2-2750

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवाधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर०-22-बी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु० 780/- या इससे अधिक है तो वह सब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

(ङ) तार इंजीनियरी सेवा (ग्रुप 'क') के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

महायुवा डिविजनल इंजीनियर टेलीग्राफ

महायुवा डिविजनल इंजीनियर टेलीग्राफ, टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिविजनल, कैंपयर बी० एफ० टी०, कॉन्सिडरल माइक्रोवेव, लांग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिकल तथा थायरलेस के इंजार्ज होंगे और सामान्यतः डिविजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माणों के संस्थापन/संरचना करने के लिये परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिविजनल इंजीनियर

डिविजनल इंजीनियरों को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिविजनो जिसमें लांग डिस्टेंस, कॉन्सिडरल, माइक्रोवेव मेंटनेंस डिविजन तथा वायरलेस डिविजन शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार से रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिविजन में रह कर कार्य करेंगे। जब डिविजनल इंजीनियर संगठन परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

**कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड**

दूर संचार सफिल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट संचार सम्बन्धी परि-सम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थापकों के प्रशासन तथा आयोजन लिए, दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिये जिम्मेदार हैं। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर-संचार सफिल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

**वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड**

दूर संचार सफिल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सफिल/ दूर संचार अनुसंधान क्षेत्र का प्रधान, जो कार्य प्रभार में है उसका पूरी तरह से प्रबंध व प्रशासन करने के लिये जिम्मेदार। डाक-तार बोर्ड में उप महा-निदेशक, डाक-तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्च स्तरीय महायन्त्र प्रदान करता है। निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र और अनिश्चित निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्य-कलापों के लिए जिम्मेदार हैं।

**7. केन्द्रीय इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा**

(i) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये पार-बीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपयुक्त अवधि या बड़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि यह स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा दीक्षण का ऐसा कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(ii) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़े तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा,

किन्तु उस व्यक्ति को:—

- (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा,
- (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (iii) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) और मुख्य इंजीनियर के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(iv) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप "क" के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है:—

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद)

1	2
1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	₹० 700-40-900-₹० १००-40-1100-50-1300।
2. उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	₹० 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600।
3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)।	₹० 1500-60-1800-100-2000।
4. निदेशक चयन ग्रेड, अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)।	2000-125/2-2750
5. मुख्य इंजीनियर	(i) 2500-125/2-2750 (स्तु-I) (ii) 2250-125/2-2500 (स्तु-II)

(v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा में पदों से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक निदेशक अधिकारी (सिविल और यांत्रिक)।

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना, सर्वेक्षण, अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उप मंडल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भंडारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप से उप मंडल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आणुपंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बहियों, मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

**8. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा**

(i) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा 3 (i) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्य कलापों के समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और सकल्प राष्ट्रीय विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन, संचरण, वितरण और विद्युत आपूर्ति का उपयोग) की सम्पाद्यता, तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के संबंध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में सवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिवाही शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(ii) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिये संच लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

₹० 700-1300 के वेतनमान में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में साठ प्रतिशत पद संच लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में सहायक निवेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखा जाता है और जहां आवश्यक समझा जाए यह अवधि और दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है और परीक्षा की अवधि सतोपजनक रूप से पूरी कर लेने की शर्त के साथ उन्हें निर्धारित परीक्षा/परीक्षण उत्तीर्ण करना होता है। तत्पश्चात् स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर अधिकारियों को उनके वरीयता क्रम के अनुसार स्थायी किया जाता है।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(iii) उच्चतर ग्रेडों के लिये पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर नियुक्ति किए गए अधिकारियों की समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निवेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (स्तर II) और मुख्य इंजीनियर (स्तर I) के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं।

(iv) वेतन मान

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा के पदों में वेतनमान निम्नलिखित हैं:—

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में वैद्युत्, यांत्रिक और दूर-संचार से सम्बद्ध पद

क्र० सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निवेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	र० 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300।
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	र० 1100 (छठे वर्ष या कम)—50-1600।
3.	निवेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	र० 1500-60-1800-100-2000।
4.	निवेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)।	र० 2000-125/2-2250।
5.	उप मुख्य इंजीनियर	र० 2000-125/2-2250।
6.	मुख्य इंजीनियर स्तर (II)	र० 2250-125/2-2500।
7.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-I)	र० 2500-125/2-2750।

नोट:—सहायक निवेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिये तृतीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई मनुकर्मणिका सारणियां लागू हैं।

(v) कर्तव्य और वायित्व

सहायक निवेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों से संबंध कर्तव्यों और वायित्वों के स्वरूप इस प्रकार है:—

विद्युत् विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबंध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकलन और परस्पर संबध। उन्हें इन से सम्बद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन, अनुरक्षण तथा विद्युत् योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनके संचरण तथा वितरण/विद्युत् प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। अतः एककों में कार्य करते हुए वे उस उप मंडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिये उत्तरदायी होंगे।

9. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क:—

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिये परीक्षा के आधार पर नियुक्त किये जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्ति या उपलब्ध हुई और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा अवधि या परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थाईकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को:—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---र० 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300।

कार्यकारी इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---र० 1100 छठे वर्ष या कम)---50-1600।

अधीक्षण इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---र० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---र० 2250-125/2-2500 (ii) र० 2500-125/2-2700।

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल)---र० 2500-125/2-3000।

महानिदेशक (सड़क विभाग)---र० 3000-100-3500।

नोट:—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवाधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ० आर० 22-ख (i) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अधिकतमता और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों में ऐसे कार्यों के काम प्रस्तावों की संशोधा करने में जड़जराती और परिवहन मंत्रालय के सड़क संघ के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में लिखित तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना।

10 भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद :-

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) (ग्रुप क पद) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख पद) के पदों पर स्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक प्रतिरिक्त अवधि के लिये सेवा में उनका रखना परीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवक्षा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः रु० 700-40-900-२० रु०-40-1100-50-1300 और रु० 650-30-740-35-810-२० रु०-35-880-40-1000-२० रु०-40-1200 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा।

संतोषजनक रूप से उनकी परीक्षा की अवधि पूरी करने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके अधीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :-

(i) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) या सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा,

(ii) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिये पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :-

क सहायक बरमा इंजीनियर (ग्रुप क) के लिये—रु० 700-40-900-२० रु०-40-1100-50-1300।

(i) उप बरमा इंजीनियर—रु० 1100-50-1600।

(ii) बरमा इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iii) अतिरिक्त मुख्य बरमा इंजीनियर—रु० 1800-100-2000।

(iv) मुख्य बरमा इंजीनियर—रु० 2000-125/2-2500।

ख यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क (रु० 700-40-900-२० रु०-40-1100-50-1300)।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख) —रु० 650-30-740-35-810-२० रु०-35-880-40-1000-२० रु०-40-1200।

(i) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)—रु० 1100-50-1600।

(ii) अधीक्षण यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iii) मुख्य यांत्रिक इंजीनियर—रु० 1800-100-2000।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट :-उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायी रूप से किसी आधिकारिक पद पर हैं, एफ० आर० 22-ख(i) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर

(कनिष्ठ)

बरमा, बाहनों और अन्य उपकरणों का अनुरक्षण तथा मरम्मत विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिये बाहनों तथा बाहनों का आवंटन। पी० एस० एल० अंकों तथा अभियन्तों, लाग बुक, इतिवृत्तों की संशोधा तथा अनुरक्षण।

सहायक बरमा इंजीनियर

कोर रिजर्वरी का दृष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए एक या अधिक ड्रिलिंग रिगों से खनिज अन्वेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भंडारों और उसकी सौंपे गए इम्प्रेस्ट की ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिये लगाई गई मशीनरी और बाहनों का समारक्षण। भंडारों तथा रोकड़ निधनों की रखता और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग का कल्याण देखना।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर

बाहनों, बरमा और अन्य उपकरणों की मरम्मत और अनुरक्षण। क्षेत्रों में मरम्मत करने के लिये मोबाइल कर्मशालाओं का पर्यवेक्षण।

11. डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक कारखाना ग्रुप क पद

(i) सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे।

(ii) परीक्षा अवधि के अन्तगत उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा। और व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(iii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किए गए किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :-

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में इंजीनियरी पदा के वेतनमान निम्नलिखित है :-

(1) सहायक इंजीनियर (कारखाना)—रु० 650-30-740-35-810-२० रु०-35-880-40-1000-२० रु०-40-1200।

(2) सहायक प्रबंधक (कारखाना)—रु० 700-40-900-२० रु०-40-1100-50-1300।

(3) सहायक महाप्रबंधक/वरिष्ठ इंजीनियर—रु० 1100-50-1600।

(4) उप महाप्रबंधक/दूर संचार प्रबंधक (कारखाना)—रु० 1500-60-1800।

## 12. तार यातायात सेवा, ग्रुप ख .—

(क) तार यातायात सेवा, ग्रुप ख में भर्ती किए गए उम्मीदवारों दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे और इस अवधि के अन्तर्गत उन्हें समय-समय पर निर्धारित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। दो वर्ष के अन्त में जिनकी अच्छी रिपोर्ट होगी और जो निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे तार यातायात-सेवा, ग्रुप ख में कार्यकारी पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

(ख) यदि डाक-तार महानिदेशक की राय में परीक्षा अवधि में किसी अधिकारी का काम या आचरण असंतोषजनक है या यह दर्शाता है कि उसके दक्षताप्राप्त करने की संभावना नहीं है तो महानिदेशक उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकते हैं।

(ग) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर महानिदेशक अधिकारी को स्थायी रूप से नियुक्त कर सकते हैं या यदि उसका कार्य या आचरण महानिदेशक की राय में असंतोषजनक पाया गया है तो महानिदेशक उसे या तो सेवा मुक्त कर सकता या उसकी परीक्षा अवधि उस अवधि तक बढ़ा सकता है जिसे महानिदेशक उचित समझे।

(घ) यदि उपर्युक्त (ख) या (ग) के अधीन महानिदेशक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती है तो निर्धारित परीक्षा अवधि के बाद की अवधि सार्वजनिक आधार पर नियुक्ति समझी जाएगी जो किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

(ङ) स्थायीकरण से पहले परीक्षाधीन अधिकारियों को हिव्ही में परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(च) प्राप्य वेतन की वरें निम्नलिखित हैं.—

(i) तार यातायात सेवा, ग्रुप ख—रु० 650-30-740-35-810-६० री०-35-880-40-1000-६० री०-40-1200।

(ii) वरिष्ठ अधीक्षक, तार यातायात मुख्य अधीक्षक, तार अधिकारी, मद्रास, आगरा, गौहाटी, पटना, अहमदाबाद, बंगलूर और क्षेत्रीय नियंत्रक तार यातायात, मद्रास—रु० 1100-50-1800।

(iii) मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार घर, बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली और क्षेत्रीय नियंत्रक, तार यातायात, बम्बई, कलकत्ता और नई दिल्ली—रु० 1300-50-1700।

(iv) निदेशक तार-यातायात—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(छ) तार यातायात सेवा के पदा में मध्य कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

तार यातायात सेवा ग्रुप ख के अधिकारी

1. सहायक मुख्य अधीक्षक, ग्रुप ख के अधीन केन्द्रीय तार घरों के प्रभारी

(क) सभी गैर-क्रियागत और क्रियागत अनुभागों, जिनमें सार्वजनिक काउंटर, फोनोग्राम और व्यवधान आदि होते पर वैकल्पिक परिणामों के लिये परिपक्वों का प्रबन्ध करना सम्मिलित है, के ठीक प्रकार से कार्य प्रणाली को देखते हुए यंत्र कक्ष के प्रभारी के रूप में शिफ्ट ड्यूटी कार्यों को देखना। इंजीनियरी प्राधिकारियों से सम्पर्क बनाए रखना। स्थल पर आकर जनता को शिक्षावर्तों को सुनना। कर्मचारी वर्ग का प्रबन्ध देखना जिसमें नियोजन और समन्वय का निर्वहन सम्मिलित है।

(ख) प्रशासनिक कार्य सौंपे जाने पर वह ग्रुप ख कर्मचारियों के लिये नियुक्ति प्राधिकारी होगा और प्रशासन से सम्बन्ध मामलों, जिनमें भर्ती तथा नियोजन आदि सम्मिलित है, में मुख्य अधीक्षकों की सहायता करना।

## II—केन्द्रीय तारघरों के प्रभारी अधीक्षक

विनिर्दिष्ट प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों सहित केन्द्रीय तारघर का प्रभारी। आहरण तथा संचितरण अधिकारी। अर्जनित तार की कुशल कार्य प्रणाली के लिये जिम्मेदार।

## III—अधीक्षक, तार यातायात

केन्द्रीय तारघरा और ग्रुप ग कर्मचारियों (अवकाश प्राप्त का छोड़कर) की 165 तक की कुल संख्या वाले मंडलीय तार घरों को भिलावे हुए तार यातायात मंडल का प्रभारी। मंडलों में सम्मिलित कार्यालयों पर तकनीकी नियंत्रण रखना। सभी मंडलीय तारघरों और मंडलों में सम्मिलित कार्यालयों का निरीक्षण करना।

## IV—सहायक तार यातायात अधीक्षक

तार यातायात स्कंध के क्षेत्रीय नियंत्रक की सहायता करना। टी० टी० एस० ग्रुप ग कर्मचारियों के चार्ज के अधीन मंडलीय तारघरों का यातायात निरीक्षण।

## V—सहायक निदेशक, तार यातायात, डाक-तार मंडल अधिकारी

डाक-तार मंडलों में सभी यातायात मामलों में तार निदेशक की सहायता करना।

## वरिष्ठ अधीक्षक, तार यातायात

केन्द्रीय तार घर और मंडलीय तार घरों को भिला कर तार यातायात मंडल का प्रभारी। मंडल में सम्मिलित कार्यालयों पर तकनीकी नियंत्रण रखना। केन्द्रीय तारघरों, मंडलीय तारघरा और सम्मिलित कार्यालयों का निरीक्षण करना।

मुख्य अधीक्षक, मद्रास, आगरा, गौहाटी, पटना, अहमदाबाद, बंगलूर और क्षेत्रीय नियंत्रक, तार यातायात, मद्रास।

केन्द्रीय तारघरों और स्थानीय और/या मुफगिन मंडलीय तारघरा का प्रभारी और आहरण तथा संचितरण अधिकारी। मंडल में सम्मिलित कार्यालयों पर तकनीकी नियंत्रण रखते हुए भी तार यातायात मंडल (वरिष्ठ अधीक्षक तार यातायात) का मंडलाध्यक्ष।

## (I) मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली

बहुत प्रतिष्ठानों (2000 से अधिक कर्मचारियों की कुल संख्या वाले जिनमें लगभग एक दर्जन ग्रुप ख अधिकारी और लगभग 1500 ग्रुप ग अधिकारी सम्मिलित हैं) वाले प्रमुख केन्द्रीय तारघरों का प्रभारी। सभी स्थानीय मंडलीय तारघरों का सर्वकार्यकारी प्रभारी।

## (II) क्षेत्रीय नियंत्रक, तार यातायात, बम्बई, कलकत्ता, और नई दिल्ली

मंडल में सम्मिलित कार्यालयों पर तकनीकी नियंत्रण रखते हुए केन्द्रीय तारघरों और मंडलीय तारघरों के निरीक्षण करने के साथ-साथ उनके भी निरीक्षण करना।

## निदेशक, तार यातायात

तार यातायात से सम्बंधित मामलों में महानिदेशक का सहायता करने के लिये निदेशालय में तार यातायात स्कंध में सर्वोच्च अधिकारी।

13 इंजीनियर (ग्रुप क), वायरलेस, योजना और मन्त्रालय स्कंध/अनुसंधान संगठन, संचार मंत्रालय.—

(क) वेतनमान रु० 700-40-900-३० री०-40-1100-50-1300।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदाधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और समन्वय स्कंध/इंजीनियर प्रभारी, अनुश्रवण सगठन (वेतनमान रु० 1100-50-1600 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार के पद के लिये रु० 100/- प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप क पदों के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार (वेतनमान रु० 1500-60-1800) के पद पर पदोन्नति के लिये विचार किये जाने के पात्र हैं। उप वायरलेस सलाहकार के ग्रेड में रिक्तियां ग्रुप क पदों के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्ति का भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को —

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पद (पदों) से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा शायिन्वा का स्वरूप

(i) अनुश्रवण केन्द्रों का प्रभारी होना। तकनीकी सहायकों, रेडियो तकनीशियनों और उनके अधीन अन्य कर्मचारी वर्ग के कार्य का पर्यवेक्षण।

(ii) विशिष्ट अनुश्रवण उपकरणों, जिनमें आवृत्ति माप उपकरण, रेडियो निवेशन अन्वेषी दूरबीन, आयनमंडली रिकार्डर, रब रिकार्डर, आदि सम्मिलित हैं, के स्थापन, संचालन और अनुश्रवण का कार्यभार समालना,

(iii) प्रयोग में लाने वाले विभिन्न विभागों और संस्थाओं की आवृत्ति अपेक्षाओं का निर्धारण,

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रशामन और उनसे संबंधित करार करना

(v) आवृत्ति अभिलेख और सम्बद्ध प्रलेख तैयार करना,

(vi) वायरलेस संस्थापनाओं का अनुस्थापन तथा निरीक्षण,

(vii) रेडियो उपकरणों की विशिष्टियां तैयार करना,

(viii) ट्राममीटरों, रिसीवरों और सहायक उपकरणों की विभिन्न प्रकार की जांच करना,

(ix) रेडियो आपरेटरों को दिये जाने वाले प्रवीणता प्रमाणपत्र के लिये परीक्षाओं के आयोजित करने में सहायता देना,

(x) प्रचार मसम्भारा और गमबर्गी अनुसंधान की जांच करना, और

(xi) रेडियो रब अध्ययन, आयनमंडली अध्ययन और क्षेत्र तीव्रता माप आदि के तथ्यों का परीक्षण, विश्लेषण और सम्बन्ध करना।

14 संचार मंत्रालय की समुद्रपार संचार सेवा में उप इंजीनियरी प्रभारी (ग्रुप क), सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख—राजपत्रित) और तकनीकी सहायक (ग्रुप ख—अराजपत्रित)।

(क) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्ति के लिये चुने गए उम्मीदवार कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किये जाएंगे और आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

(ख) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा।

(ग) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप-इंजीनियर प्रभारी के पद पर अस्थाई नियुक्ति की स्थिति में अधिकारी की सेवा उसके द्वारा निष्पादित बंध-पत्र निर्धारित शर्तों के अतिरिक्त किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी। किन्तु विभाग अस्थाई कर्मचारी को नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन तथा भत्ते देकर उसकी सेवा समाप्त कर सकता है परन्तु अधिकारी को इस प्रकार का कोई विकल्प नहीं दिया गया है।

(घ) वेतनमान

(1) तकनीकी सहायक :—रु० 550-25-750-३० रु०-30-900।

(2) सहायक इंजीनियर :—रु० 650-30-740-35-810-३० रु०-35-880-40-1000-३० रु०-40-1200।

(3) उप-प्रभारी इंजीनियर :—रु० 700-40-900-३० रु०-40-1100-50-1300।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर

(i) तकनीकी सहायक :—संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी तकनीकी सहायक विभागीय पदोन्नति के लिये आरक्षित 50 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु० 650-30-740-35-810-३० रु०-35-880-40-1000-३० रु०-40-1200 के वेतनमान में सहायक इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र हैं।

(ii) सहायक इंजीनियर :—इस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 75 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु० 700-40-900-३० रु०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में उप प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र हैं।

(iii) उप प्रभारी इंजीनियर :—उप प्रभारी इंजीनियर प्रभारी या सहायक इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी दो वर्ष की परीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूरा कर लेने पर समुद्रपार संचार सेवा में प्रभारी इंजीनियर (वेतनमान रु० 1100-50-1600) के पद पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं।

(iv) प्रभारी इंजीनियर :—प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में निदेशक के पद (वेतनमान रु० 1300-50-1700) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। निदेशक के

ग्रेड में पदोन्नति पद के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

- (v) निवेशक :—निवेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले निदेशक के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में उप महानिदेशक के पद (वेतनमान :—र० 1500-60-1800-100-2000) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। उप महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

- (vi) उप महानिदेशक :—उप महानिदेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप महा-निवेशक के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में महानिदेशक के पद (वेतनमान : र० 2250-125/-2-2500) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

- (ब) यदि आवश्यकता हुई तो तकनीकी सहायक, सहायक इंजीनियर या उप-प्रभारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और  
(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

नोट :—सेवा की शेष शर्तें, जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भत्ते, कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समयवेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-रियायत, पेंशन और आनुवधिक, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैसियत से अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू हों।

- (छ) पद (पदों) से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

1. उप प्रभारी इंजीनियर :—समुद्रपार संचार सेवा में उप-प्रभारी इंजीनियर के पद का पदधारी प्रभारी इंजीनियर के डिप्टी के रूप में कार्य करता है और अन्तर्राष्ट्रीय दूर-संचार उपस्कर के संचालन तथा अनुरक्षण से संबंधित सभी तकनीकी मामलों में प्रभारी इंजीनियर की सहायता करता है और स्टाफ, स्टाफ कालोनी, जल पूर्ति, विद्युत् पूर्ति इंजीनियरी और स्टेशनरी भंडारों तथा अन्य वस्तुओं के प्रबंध के लिये भी जिम्मेदार है।

पदों के पदधारियों को न केवल तकनीकी कार्य का पर्यवेक्षण करना है बल्कि बहुमूल्य दूरसंचार उपस्करों के संस्थापन और रख-रखाव में भी अपने ध्यान को लगाना है। समुद्रपार संचार सेवा की उपस्कर विशेषताओं का गहन उपयोग मुख्य रूप से उप प्रभारी इंजीनियर की कार्य से संबंध समन्वय तथा निष्पादन करने की उस योग्यता पर निर्भर है जिसमें काम चला पाने की क्षमता तथा विश्वसनीयता मानकों को बनाए रखने का समावेश हो।

2. सहायक इंजीनियर :—पद का पदधारी सामान्यतः शिफ्ट का प्रभारी है और उपस्करों के संचालन तथा अनुरक्षण के लिए जिम्मेदार है। उसे तकनीकी मामलों पर विदेश एम्बेसी/एटेंचों द्वारा उठाई गई शंकाओं के बारे में स्थल पर निर्णय करना है और त्रुटियों को दूर करना है।

पद पर्यवेक्षकीय तथा संचालनात्मक है। पद के पदधारी को अपनी पारी में तकनीकी सहायकों और कनिष्ठ तकनीकी सहायकों के स्तर के अधीनस्थों पर नियंत्रण रखना है। जब कुछ कर्मचारी प्रयुक्त अनुसंधान के तत्व के विकास और अनुसंधान में लगे हों तो सभी सहायक इंजीनियरों को अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार मानकों की जानकारी होनी चाहिए और उसका अनुपालन करना चाहिए।

3. तकनीकी सहायक :—पद के कर्तव्य और दायित्व विभिन्न तार/टेलीफोन और अन्य वायरलेस उपकरणों और उपस्करों के संचालन का समायोजन करना, विभिन्न प्रकार के उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटरों/रिसीवरों का अनुरक्षण और संस्थापन करना और उनमें हुई खराबी को देखना है। समुद्रपार टेलीफोन काल के दौरान जब दो प्राइमों के बीच आवाज आ रही है तो पदधारी को रेडियो टर्मिनल के पूरे परिपथ पर भी नियंत्रण रखना है।

15. सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख), आकाशवाणी महानिदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

- (क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा के आधार पर की जाएगी।

- (ख) (i) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिये निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

- (ii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

- (ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :— (i) परीक्षा अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (ii) घटीनता असंयम, कबाचार या उस समय सेवा में सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबंधों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिए, (iii) यदि वह डाक्टरों के रूप से अनुपयुक्त पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

- (ब) वेतनमान :—

- (i) सहायक स्टेशन इंजीनियर—र० 700-40-900-  
द० र०-40-1100-50-1300।

- (ii) सहायक इंजीनियर—र० 650-30-740-35-810-  
द० र० -35-880-40-1000-द० र०-40-  
1200।

(क) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

सहायक इंजीनियर और सहायक स्टेशन इंजीनियर :—

- (i) संबंध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर विभागीय पदोन्नति के लिये आरक्षित 40 प्रतिशत पदों पर चयन द्वारा रु० 700-40-900-50 रु०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (ii) संबंध ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में आकाशवाणी में स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (iii) संबंध ग्रेड में कम से कम सात वर्ष की सेवा रखने वाले स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु० 1500-60-1800 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (iv) वरिष्ठ इंजीनियर उप मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु० 1800-100-2000), उप मुख्य इंजीनियर अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु० 2000-125/2-2250) और अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर/मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु० 2500-125-3000)।

नोट :—सेवा की शेष शर्तें, जैसे स्थानान्तरण/दीरो पर अवकाश, यात्रा भत्ते, कार्यालय समय, कार्यालय समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा खर्चा, पेंशन और आनुवर्षिक, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(ख) सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक स्टेशन इंजीनियर :—प्रसारण और समाचार दूरदर्शन स्टूडियो तथा ट्रांसमीटरों की अभिकल्पना, संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण। अधीनस्थ इंजीनियरों के कार्य के पर्यवेक्षण के लिये जिम्मेदार।

सहायक इंजीनियर :—

प्रसारण और समाचार दूर दर्शन स्टूडियो तथा ट्रांसमीटरों का संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण। पारी में कार्य का पर्यवेक्षण करते हुए अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिये जिम्मेदार।

16. सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा वैद्युत), सिविल-निर्माण संबंध, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा के आधार पर होगी।

!(ख) (i) पद पर नियुक्त किये गये अधिकारी को भारत में कहीं कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिये निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(ii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गये व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा और;

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :— (i) परीक्षा की अवधि के अंतर्गत या उसके समाप्त होने पर, (ii) अनधीनता असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से संबंध प्रयुक्त नियमावली के उपबन्धों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिए, (iii) यदि यह वास्तविक रूप से प्रयोग पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवस्थिति के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्वास्थ्य के कारणों में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(ब) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) रु० 650-30-740-35-810-50 रु०-35-880-40-1000-50 रु०-40-1200।

(क) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

(i) संबंध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ii) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु० 1800-100-2000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधीक्षण इंजीनियर रु० 2000-125-2250 के वेतनमान में अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट :—सेवा की शेष शर्तें, जैसे स्थानान्तरण/दीरो पर अवकाश, यात्रा भत्ते, कार्यालय/कार्यालय समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-खर्चा, पेंशन और आनुवर्षिक, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(ब) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) के पद से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप :—

अभिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिये निर्धारित किये गए मानक और स्तर के अनुसार कार्यों का निष्पादन करना।



17. तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) और संचार अधिकारी (ग्रुप क), सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय।

(क) नियुक्ति के लिये चुने गए उम्मीदवारों को आगामी आदेशों तक संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाएगा। ये दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है। उनकी नियुक्ति परीक्षा अवधि के अन्तर्गत बिना कोई नोटिस दिए समाप्त की जा सकती है। नियुक्ति के बाद जब संभव हो उम्मीदवार का 16 सप्ताह की अवधि के लिये सिविल विमानन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण कोर्स के लिये जाना होगा। संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में उनके स्थायीकरण के लिये स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

(ख) यदि परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, सरकार की राय में असंतोषजनक है, या यह दर्शाता है कि उसके कार्य में दक्षता प्राप्त करने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसकी सेवाएं तत्काल समाप्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा अवधि समाप्त होने पर स्थाई रिक्तियों के उपलब्ध होने पर सरकार की राय में अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक पाए जाने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है अथवा कार्य या आचरण असंतोषजनक पाए जाने पर सरकार या तो उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि बढ़ा सकती है, जैसा सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्ति करने के लिये सरकार किसी अधिकारी को शक्तियां प्रत्यायोजित कर देती है तो वह अधिकारी हम नियम के अधीन सरकार की शक्तियों में से किसी का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इन नियमों के अधीन भर्ती किये गये अधिकारी उस समय-प्रवर्तमान और केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों के लिये लागू नियमों के अनुसार प्रशिक्षण, वेतनवृद्धि और पेंशन के पात्र होंगे। वे केन्द्रीय भविष्य निधि को विनियमित करने वाले नियमों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि में इशतमान करने के भी पात्र होंगे।

(च) आपात् स्थिति के अन्तर्गत अधिकारियों का भारत में या भारत से बाहर किसी फील्ड सर्विस के लिये भारत में कहीं भी स्थानांतरण किया जा सकेगा। उड़ने हुए वायुयान में भी उन्हें कार्य करने के लिये कहा जा सकता है।

(छ) इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति किए गए अधिकारियों की वरीयता सामान्यतः उनके परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार निश्चित की जाएगी। किन्तु भारत सरकार को अपनी विवेका पर अलग-अलग मामलों में वरीयता करने का अधिकार है।

बिभागीय उम्मीदवारों के मुकाबले में सीधी भर्ती द्वारा लिये गये उम्मीदवारों की वरीयता भर्ती नियमों में निर्धारित कोटे पर आधारित और इस विषय में समय समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किये जाने वाले आदेशों के अनुसार होगी।

(ज) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर.—वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड के लिये पदोन्नति :—

संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी, ₹० 1100-50-1600 के वेतनमान में रिक्तिवा होने पर अपनी वरीयता तथा योग्यता के आधार पर 5-21GI/78

सिविल विमानन विभाग में वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं। उन निदेशक संचार नियंत्रक के ग्रेड के लिये पदोन्नति :—

उक्त संवर्ग में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी बिभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर ₹० 1500-60-1800 के वेतनमान में संचार संगठन में उप निदेशक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

बिभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने पर सिविल विमानन विभाग में पदोन्नति की श्रृंखला में आगामी उच्चतर पद, ₹० 1800-100-2000 के वेतनमान में संचार निदेशक, निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, निदेशक, प्रशिक्षण तथा लाइसेंसिंग और क्षेत्रीय निदेशक, ₹० 2000-125/2-2500 के वेतनमान में उप महानिदेशक और ₹० 3000 (नियत) के वेतनमान में महानिदेशक के पद हैं।

(i) सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार इन सेवा शर्तों में परिशोधन किया जा सकता है। यदि बाद में लागू की जाने वाली सेवा शर्तों में परिवर्तन करने से किसी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो उम्मीदवार किसी क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं होंगे।

(झ) सिविल विमानन विभाग में संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पदों के वेतनमान नीचे दिये गए हैं :—

(i) संचार अधिकारी (ग्रुप क) :—₹० 700-40-900-  
₹० १००-40-1100-50-1300।

(ii) तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) :—₹० 700-40-  
-900-₹० १००-40-1100-50-1300।

(ञ) यदि आवश्यकता हुई तो संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर भिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(i) तकनीकी अधिकारी ग्रुप क और संचार अधिकारी ग्रुप क के पद (पदों) से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

तकनीकी अधिकारी और संचार अधिकारी

उपर्युक्त वर्गों के अधिकारियों को कभी-कभी वैमानिक संचार केन्द्रों पर भी तैनात किया जाता है जहाँ रेडियो संचार और संचालनीय उपकरणों का अनुरक्षण होता है और विभिन्न उपकरणों और प्रचालन स्थितियों का प्रबन्ध करने के लिये बहुत-सा तकनीकी परिचारक स्टाफ नियोजित किया जाता है।

किन्तु बहुत ए० सी० स्टेशनो में "संचार और तकनीकी अधिकारी" वरिष्ठ वेतनमान वाले अधिकारी के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। इन परिस्थितियों में उनके द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन पूर्णतः उनके स्टेशन के दिन प्रतिदिन प्रशासन का होगा। वे अश्रीनस्थ क्षेत्रीय मुख्यालयों और अन्य कार्यालयों से भी संबद्ध हैं।

रेडियो निर्माण तथा विकास एकक या केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो में, जहाँ कार्य मुख्य रूप से उपकरणों और समवर्गी विषयों के परीक्षण तथा स्थापना से संबंध होगा, केवल तकनीकी अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता है।

प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले तकनीकी/संचार अधिकारियों के कर्तव्य

वैमानिक संचार स्टेशन :-

ए० सी० स्टेशन का सामान्य प्रशासन और अनुशासनिक नियंत्रण जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है—

- (i) विविध रेडियो/संचालनीय एककों का कुशल अनुरक्षण,
- (ii) पूरे स्टाफ को वेतन तथा भत्तों का संवितरण,
- (iii) भंडारों से संबंध सी० पी० डब्ल्यू० ए० लेखों से संबंध हिसाब का रख रखाव, उचित प्राधिकारियों को आर्थिक विवरणिया प्रस्तुत करना,
- (iv) विविध उपकरणों के लिये पर्याप्त अतिरिक्त सामग्री की व्यवस्था;
- (v) अपने अधीन एककों में विभिन्न वर्गों के स्टाफ को भोजना;
- (vi) हवाई अड्डे, मौसम विज्ञान, एयर लाइन्स आदि के अधिकारियों के साथ पर्याप्त सम्पर्क।
- (vii) सामान्यतः वैमानिक संचार स्टेशनों से अधिकतम वक्षता से कार्य कराना।

प्रमुख स्टेशन/रेडियो निर्माण एकक/रेडियो भंडार डिपो में नियुक्त तकनीकी अधिकारी के कर्तव्य

सी० ए० डी० में प्रमुख विविध श्रेणियों के रेडियो तथा रेडार/संचालनीय उपकरणों के स्विकारी परीक्षण, संस्थापन और प्रतिदिन का अनुरक्षण।

अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विभाग के संचालनीय सहायक उपकरणों का उद्घान परीक्षण।

संचालनीय सहायक उपकरणों आदि के संस्थापन हेतु स्थलों को चुनने और संस्थापन के प्रयोजन के लिये एककों के आवात प्रतिस्थापन तथा निर्माण से संबंध कार्य का विकास।

विभाग में प्रयोग में आने वाले उपकरणों के लिये स्थानीय तथा विदेशी अधिकरणों से विभिन्न श्रेणियों के अतिरिक्त पार्ट्स उपलब्ध कराना। प्रमुख स्टेशनों में नियुक्त "संचार अधिकारियों" के कर्तव्य

स्टेशन में विविध संक्रियारमक सुविधाओं, जिनमें भू-लाइन और रेडियो टेलीटाइप चैनल, मोर्स परिपथ, इटरकम तथा अन्य स्थानीय वाक परिपथ सम्मिलित हैं, के कुशल संचालन के लिये जिम्मेदार।

पूरी पारी का पूरा चार्ज लेने पर उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि सभी तकनीकी एकक/टेलीग्राफ परिपथों का ठीक प्रकार से कार्य संचालन हो।

वैमानिक सूचना सेवा से संबंध मामले—वायु सैनिकों को सूचनाओं का प्रसार करना। विमान कर्मचारियों को संक्षेप में बताना तथा समवर्गी मामले।

#### 18. भारतीय नौसेना, आयुध सेवा।

- (क) पद पर नियुक्ति के लिये चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा मुक्त किया जा सकेगा। परीक्षा अवधि के अन्तर्गत उन्हें 9-12 महीने की अवधि के लिये एक तकनीकी प्रशिक्षण पर जाना होगा और ज्यादा से ज्यादा तीन प्रयास में विभागीय परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो सरकार की विवक्षा पर उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी। उन्हें प्रशिक्षण पर जाने से पहले रु० 15000/- (समय समय पर धनराशि में परिवर्तन

किया जा सकता है) के लिये एक बंध-पत्र पर भी हस्ताक्षर करने होंगे जिसके अनुसार उन्हें प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद तीन वर्ष की अवधि के लिये भारतीय नौसेना में अनिवार्य सेवा करनी होगी।

- (ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थाई नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके न समाप्त हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।
- (ग) वे समय समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कषण से प्रवृत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिये लागू सेवा-शर्तों के अधीन होंगे। वे समय समय पर संशोधित फोर्ब्स मंत्रिस वायिता नियमावली 1957 के अधीन होंगे।
- (घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।
- (ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप क—राजपत्रित, वेतनमान रु० 700-1300।
- (च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

(i) उप आयुक्त पूर्ण अधिकारी ग्रेड I

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप आयुक्त पूर्ण अधिकारी ग्रेड II विभागीय पदोन्नति सम्मिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु० 1100-1600 के वेतनमान में उप आयुक्त पूर्ण अधिकारी ग्रेड I के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिये विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई० आई० टी० किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स, नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

विभागीय परीक्षा की पाठ्यचर्या नीचे दी गई है—

#### 1. नौ सेना आयुक्त डिपो, विशाखापटनम

- (क) गाला-कार्य (तीन मास)
- (ख) गन व्हार्फ तकनीकी कोर्स I
- (ग) गोला बारूद तकनीकी कोर्स I (37 सप्ताह)
- (घ) प्रशासनिक तथा लेखा कोर्स
- (ङ) बालासौर, कोसीपूर, ईशापूर और जबलपुर देखने जाना।

#### 2. गनरी स्कूल तथा टी० ए० एस० स्कूल।

#### 3. भारी वाहन कारखाना, अवाडी और कार्डाइट कारखाना अरुंगाडू देखने जाना। 2½ सप्ताह

#### 4. नौसेना आयुध डिपो, बम्बई।

- (क) गनव्हार्फ तकनीकी कोर्स II
- (ख) गोला बारूद तकनीकी कोर्स II 5 सप्ताह
- (ग) आयुध कारखाना, अम्बरसाथ देखने जाना।

#### 5. आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, किरकी,

#### 6. ए० ई० कारखाना, शस्त्रागार, ए० आर० डी० ई० और ई० आर० डी० ए०, किरकी देखने जाना 4½ सप्ताह

7. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली जा हुए आयुध कारखाना तथा  
शेल् आर्म्स फैक्टरी, कानपुर देखना ½ सप्ताह

8. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली

दिल्ली रक्षा विज्ञान प्रयोगशालाएं देखने जाना।

अंतिम परीक्षा 1½

1½ (ii) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप आयुध पूर्ति अधिकारी, ग्रेड I के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 1300-50-1700 के वेतनमान में नौ सेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष की सेवा की हो। उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 1500-60-1800 के वेतनमान में नौ सेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iv) आयुध पूर्ति निदेशक :—

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में पांच वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड/साधारण ग्रेड) उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 1800-100-2000 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट 1: नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड), नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) और आयुध पूर्ति निदेशक के वेतनमान परिशोधित किये जा सकते हैं।

नोट 2: उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आबधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद धारण किए हुए थे, एक० आर० 22 ख(i) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० आर० के तदनुसंगी अनुच्छेदों के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड II के पद से संबद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

- (i) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रानिकी तथा वैद्युत् साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आगोश्रन तथा अनुरक्षण से संबद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।
- (ii) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिये इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत् उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (iii) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियां तैयार करना।
- (iv) आयुध के लिये यांत्रिक इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत् अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।
- (v) आयुध (मिसाइल्स, टॉर्पेडोज, माइल्स तथा गन) भापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत् भागों के उप समुच्चय तथा समुच्चयों का आबधिक अंशकृत परीक्षण/जांच
- (vi) फ्लोट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध सामग्री की पूर्ति
- (vii) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलेक्ट्रानिकी, तथा वैद्युत् इंजीनियरी से संबद्ध सभी मामलों में संबद्ध सेवा को तकनीकी सहाह देना।

19. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(i) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर परीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्तियों को परीक्षा अवधि के अन्तर्गत ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी है जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाए। परीक्षा अवधि समाप्त होने पर, यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण असंतोषजनक पाया गया है तो सरकार उसको सेवा मुक्त कर सकती है या परीक्षा अवधि इतने समय तक बढ़ा सकती है जैसा वह उचित समझे।

(ii) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शांति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिये निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(iii) उनको प्राप्त वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु० 700-40-900-रु० 100-40-1100-50-1300।

कार्यकारी इंजीनियर—रु० 1100-50-1600।

अधीक्षण इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड II—रु० 2000-125/2-2250।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड I—रु० 2250-125/2-2500।

(iv) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिये लागू) के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रत्याशा कर सकते हैं।

(v) सेवा में नियुक्त अधिकारी जब कुछ विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में लगाए जाएं तो वे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को प्राप्य भत्तों के अतिरिक्त विशेष प्रतिपूर्ति भत्ते तथा निःशुल्क राशन के हकदार हैं। वे वहीं के लिये सज्जा भत्ते के भी हकदार हैं।

20. डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कंध में सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत)

(क) उम्मीदवारों को नियुक्तियां परीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आवरण संतोषजनक न हो या उससे यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्वाई रिक्रियां उपलब्ध हुईं तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जिसना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएं। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सम्मिलित है परन्तु उस व्यक्ति को —

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने पर के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन दरें निम्न प्रकार हैं.—ग्रुप ख (सहायक कार्यकारी इंजीनियर) (सिविल) रु० 650-30-740-35-810-६० रु०-35-880-40-1000-३० रु०-40-1200।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रुप क रु० 700-40-900-६० रु०-40-1100-50-1300।

कार्यकारी इंजीनियर/एस० डब्ल्यू० रु० 1100-1600 अधीक्षण इंजीनियर/एस० एस० डब्ल्यू० रु० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर (i) रु० 2250-125/2-2500।

(घ) डाक-तार सिविल स्कंध में उक्त पदों से जो कर्त्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं वे नीचे दिये गये हैं:—

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक-तार सिविल स्कंध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष-केन्द्र-भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भंडार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते करते विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

#### परिशिष्ट IV

सघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फेलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 ... के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c ... क्रम में सभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अंत में दिये गये नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिये आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपका अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम से

प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही था सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिये गये उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि

1. आप उभी पेन्सिल का प्रयोग करें जो आपका पर्यवेक्षक दे। दूसरी पेन्सिलें या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव हैं, मशीन में ठीक ठीक न पढ़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम:

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय में 10 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि सदिग्ध है, तो उस प्रश्नांक के लिये आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपका अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेन्सिल से कांक्षा निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

## कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इन परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता की जाचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत किफायत के साथ, उपयोग करें। सतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यंत कठिन सामंजस्य पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के सामान्य उत्तर दिए जाते हैं, इसलिए, हाँ सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक ठीक नहीं जानते हों उनके बारे में उद्घापोह के चक्कर में पड़ जाए। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अघा अतमान लगाने की अपेक्षा उनका छोड़ देने में सम्भवतः आपको अधिक नज़र मिल सकता है।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूक्ष्म बुद्धि और विवेचन क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिये यह लाभदायक होगा कि आप सगत् विषयों का एक बार मरमरी निगाह से देख लें और इस बात में आश्वस्त हो जाए कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

## विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी खलम में भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर दामिप में सील लगी होगी जिसमें कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे काटें खोल नहीं पाए। जैसे ही आपका परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की सख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदला दें। जब यह हो जाए तब आपका उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम सख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

## परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपका लिखना बंद करने का कहें, आप लिखना बंद करें। जो उम्मीदवार इस तरह बंद नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपका यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाए और आपका 'हाल' छाड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाना अनुमति नहीं है। इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

## नमून के प्रश्न

1. सोयें वृक्ष के पत्तों के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- (a) अणुओं के उन्मूलनकारी संचक सब पदार्थों के।
- (b) अणुओं के ताप गामाज्य का विभाजन द्वारा।
- (c) उत्तरा सीमा पर प्रभावशाली गुरुत्वा की श्वचमता नहीं है।

(d) अणुकोत्तर युग में अधिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. मसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तक का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) निम्न कक्षा-कार्य में सहित देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. गुरु व मयस निकट शब्द हैं

- (a) गुरु
- (b) मयस
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ से पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिसमें बाढ़ होती है।
- (b) पड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गहरी होती हैं जिसमें बाढ़ होती है।
- (c) पड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गहरी होती हैं जिसमें बाढ़ होती है।
- (d) पड़ पौधे जितने कम होते हैं, उतनी ही धीमी गति से वर्षा पश्चात् जाती है जिसमें बाढ़ होती जाती है।

उत्तर (c)

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मार्च 1978

## संस्कृत

सं. एच. एम. 11027/6/77-एच. एल. एल. एल.—भारत पर्यटन विकास निगम के गैर-अधिकारी-कर्मचारियों के लिये एक वेतन पुनरीक्षण समिति के गठन के संबंध में इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एच. एम. 11027/6/77-एच. एल. एल. दिनांक 5 अगस्त 1977 के क्रम में सरकार ने समिति की समयबद्धि 6 महीने के लिए बढ़ाने का निर्णय किया है ताकि समिति अपनी सिफारिशें सरकार का प्रस्तुत कर सके।

## प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत में राजपत्र में प्रकाशित की जाए।

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी संबंधितों को भी भेजी जाए।

सं. ओ. जैन, पर्यटन व मंत्रालय  
और पर्यटन अधिकारी

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 4th April 1978

No. 15-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

*Name and Rank of the Officer*

Shri Gaya Prasad, (Deceased)  
Constable No. 469 Civil Police,  
District Hardoi,  
Uttar Pradesh.

*Statement of Services for which the Decoration has been awarded.*

On the 16th July, 1974, the Station Officer, Baghauli, received information about the presence of a notorious criminal gang in Bhauraj Purwa village. He immediately rushed to the spot along with the available force. Shri Gaya Prasad was a member of this party. The police party after studying the topography of the place entered the main gate of the house but was immediately met by fire from the dacoits. The Station Officer fired back at the dacoits with his service revolver and succeeded in shooting a dacoit dead. Constable Gaya Prasad also fired from his 12 bore gun at another dacoit who had been firing at the police party. Ultimately the dacoit fell to the bullet of Constable Gaya Prasad. The gang leader started firing on the police party in order to scare them away and in the encounter managed to shoot Constable Gaya Prasad who fell down and succumbed to his injuries. The gang leader then jumped out of the house by scaling a wall. He was, however, chased by an Assistant Sub Inspector and a Constable and killed in the encounter. The police party also recovered two shot guns and two country-made pistols along with considerable amount of ammunition.

In this encounter Shri Gaya Prasad showed exemplary courage, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carried with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th July, 1974.

No. 16-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

*Name and Rank of the Officer*

Shri Vijai Kumar Misra, (Deceased)  
Sub-Inspector of Police,  
Varanasi,  
Uttar Pradesh.

*Statement of Services for which the Decoration has been awarded.*

On the night of the 23rd/24th August, 1975, Shri Vijai Kumar Misra received information that two notorious criminals, who were wanted in a case were present in their houses. Shri Misra raided the place together with his associates but learnt that the criminals had gone to Babhunauli Ghat. He then proceeded to Babhunauli Ghat. The police party spotted some persons proceeding towards the Ghat who later entered a sugar cane field. The Sub Inspector started a search and asked them to surrender. The criminals thereupon fired upon the police from their hiding places in the sugar cane field. Shri Misra continued to advance towards the criminals although he was fired upon. He was later hit by a bullet from the criminals. Despite the bullet injury, he rushed forward and again fired his revolver. In the meantime the other members of the party surrounded and killed one of the criminals. Shri Vijai Kumar Misra succumbed to his injuries. One country made pistol, one fire cartridge and three live cartridges were recovered from the deceased criminal.

In this encounter Shri Vijai Kumar Misra showed exemplary courage and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th August, 1975.

No. 17-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the West Bengal Police :—

*Name and Rank of the Officers*

Shri Sunil Kumar Chatterjee,  
Sub-Inspector of Police,  
O.C. Kankasa P.S.,  
District Burdwan,  
West Bengal.

Shri Krishna Pada Sarkar,  
Sub Inspector of Police,  
New Township P.S.  
District Burdwan,  
West Bengal.

Shri Nirmal Kumar Patra,  
Sub Inspector of Police,  
O.C. Cokeoven P.S.,  
District Burdwan,  
West Bengal.

*Statement of Services for which the Decoration has been awarded.*

On the evening of the 20th May, 1976, Head Security Guard Rajendra Singh Routh of the Central Industrial Security Force unit of the Fertiliser Corporation of India, Durgapur, ran amuck and after taking possession of the armoury started firing from two .303 rifles and a .38 revolver indiscriminately. He shot two security guards down and threatened to kill anyone coming near him. This created a serious situation and all traffic on the road nearby had to be stopped to ensure that no one was injured due to this indiscriminate firing. Shri Jyoti Krishna Dutta, Additional Superintendent of Police, Durgapur organised a team consisting of himself, an Assistant Commandant of the Central Industrial Security Force and three Sub Inspectors, Shri Sunil Kumar Chatterjee, Shri Krishna Pada Sarkar and Shri Nirmal Kumar Patra to disarm him. Shri Dutta observed that after some time the Head Security Guard had stopped firing and was sitting on a chair with the weapons by his side. Taking advantage of this brief respite the Additional Superintendent of Police stealthily opened the gate of the armoury, pounced upon the Head Security Guard and overpowered him with the help of the three Sub Inspectors. Shri Sunil Kumar Chatterjee grabbed the revolver of the Security Guard, Shri Patra grabbed his neck and Shri Sarkar covered the team with his revolver.

Shri Sunil Kumar Chatterjee, Shri Krishna Pada Sarkar and Shri Nirmal Kumar Patra thus exhibited great courage and initiative and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th May, 1976.

No. 18-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Karnataka Police :—

*Name and Rank of Officer*

Shri U. Hariram Bhandary,  
Police Sub Inspector,  
Belgaum District,  
Karnataka.

*Statement of Services for which the Decoration has been awarded.*

On the 19th June, 1975, an armed gang of dacoits committed a criminal offence at Maddur, Mandya District and escaped in a car. A message was received by the Superintendent of Police, Belgaum about the details of the car and the description of its occupants. The Superintendent of Police organised a trap for the car but the car managed to sneak into Belgaum city and was noticed by a Traffic Constable who alerted the Police Control Room. On hearing about the movement of the car, the Superintendent of Police, Belgaum followed it and issued instructions on his RT set to Nipani to cut up road blocks and stop the car. Police Sub Inspector U. Hariram Bhandary sighted the car and directed it to stop but the car ignored the signal and continued to move towards Nipani. The Sub Inspector got into a private car and chased the fleeing car. The gangsters on seeing the police fired at them and the police returned the fire. The car containing the

gangsters however outdistanced the police in the private car but crashed into a barricade put up by the Nipani police near Akkol checkpost and fell into a ditch. A police party which was awaiting for them at the barricade ran towards the car. The dacoits got out of the car and ran into the open fields leaving the car in the ditch. In the meantime Sub Inspector Bhandary also arrived at the scene and joined the local police party and boldly faced the gang. The members of the gang jumped into a pit from where they opened fire at the policemen. The police returned the fire. At this stage the Superintendent of Police also reached the spot and started directing the operations. On his instructions, Shri Bhandary at great risk to his own safety advanced upon the pit and encircled it with his party. The bandits realising their hopeless position stopped firing and surrendered.

In this action Shri U. Hariram Bhandary exhibited courage, determination, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th June, 1975.

K. C. MADAPPA, Secy. to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND  
ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 15th April 1978

RULES

No. 11/2/78-CS.II.—The rules for a limited departmental competitive examination for inclusion in the Select Lists for the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat Clerical Service to be held by the Staff Selection Commission in September, 1978 are published for general information.

2. The number of persons to be selected for inclusion in the Select Lists will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations shall be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu & Kashmir), Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Amendment) Act, 1976.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

4. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. Any permanent or regular appointed temporary officer of the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service who on the 1st January, 1978 satisfies the following conditions, shall be eligible to appear at the examination.

(1) *Length of Service*.—He should have on the 1st January, 1978 rendered an approved and continuous service of not less than 5 years in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service.

Provided that if he had been appointed to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service on the results of the Competitive Examination, including a Limited Departmental Competitive Examination, the results of such examination should have been announced not less than five years before the crucial date and he should have rendered not less than four years' approved and continuous service in that Grade.

*Note 1*.—The limit of five years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly as a Lower Division Clerk and partly as Upper Division Clerk in the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service.

*Note 2*.—Any permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerk of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service who joined the Armed Forces during the period of operation of the proclamation of Emergency issued on 26th October 1962 namely, 26th October, 1962 to 9th January, 1968 would, on reversion from the Armed Forces, be allowed to count the period of his service (including the period of training if any) in the Armed Forces towards the prescribed minimum service.

*Note 3*.—Lower Division Clerks who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This, however, does not apply to a Lower Division Clerk, who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service.

(2) *Age*.—

(a) He should not be more than 50 years of age on 1-1-1978 i.e., he must not have been born earlier than 2nd January, 1928.

(b) The age limit prescribed above will be relaxable in the case of a permanent or regularly appointed temporary officer of the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service who joined the Armed Forces during the period of operation of the Proclamation of Emergency issued on 26th October 1962, namely 26th October, 1962 to 9th January, 1968, and who has reverted therefrom to the extent of the period of his service (including the period of training, if any in the Armed Forces.

(c) The age prescribed above will be further relaxable—

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;

(iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangladesh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964; but before 25th March, 1971;

- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operation during the Indo-Pakistan Hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe; and
- (xiii) Age concession will be permissible to candidates detained under Maintenance of Internal Security Act or arrested under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder who were then within normal age limits, in accordance with the instructions contained in the O.M. No. 15013/1/77-Estt(D), dated 3-2-1978, issued by the Department of Personnel and Administrative Reforms, New Delhi.

*Note* : The candidature of persons admitted to the examination permissible *vide* Rule 4(2)(c)(vi) will be provisional subject to this concession being extended beyond 31-12-1977.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

(3) *Typewriting Test*.—Unless exempted from passing the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by Union Public Service Commission/Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade he should have passed this test on or before the date of notification of the examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall; or
- (viii) misbehaving in the examination hall; or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

8. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

9. Candidates must pay the prescribed fee except those who are claiming fee concession in terms of provisions in the Commission's Notice.

10. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in two separate lists in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List for the Upper Division Grade upto the required number.

Provided that the candidate belonging to any of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates, for inclusion in the Select List for the Upper Division Grade, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

*Note*.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in the Select List for the Upper Division Grade on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

11. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.



12. Success in the examination confers no right to selection unless the cadre authority is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection;

Provided that the decision as to whether a particular candidate recommended for selection by the Commission is not suitable shall be taken in consultation with the Department of Personnel and Administrative Reforms.

13. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment in the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service or otherwise quits the Service or severs his connection with it, or whose service are terminated by the Department, or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the Lower Division Grade of the C.S.C.S./R.B.S.C.S. will not be eligible for appointment on the results of the examination.

This, however, does not apply to a Lower Division Clerk who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

K. B. NAIR, Under Secy.

#### APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

*Part I*—Written examination carrying a maximum of 300 marks in the subjects as shown in para 2 below.

*Part II*—Evaluation of record of service of such of the candidates who attain at the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion carrying a maximum of 100 marks.

2. The subjects of the written examination in Part I, the maximum marks allotted to each paper and the time allowed will be as follows :—

Subjects	Maximum Marks	Time allowed
(i) Essay and precis writing		
(a) Essay	50	2 hours
(b) precis-writing	50	
(ii) Noting and Drafting and Office procedure	100	2 hours
(iii) General Knowledge	100	2 hours

*Note.*—There will be separate papers on Noting, Drafting and Office Procedure for candidates belonging to the two categories viz. C.S.C.S. and R.B.S.C.S.

3. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule below.

4. Candidates are allowed the option to answer the papers in English or in Hindi (Devanagari) subject to the condition that at least one of the papers viz (i) Essay and Precis writing or (ii) Noting and Drafting and Office Procedure, or (iii) General Knowledge must be answered in English.

*Note 1.*—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

*Note 2.*—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) or in English should indicate their intention to do so clearly in column 6 of the application form; otherwise, it would be presumed that they would answer the papers in English.

*Note 3.*—The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in Column 6 of the application form shall ordinarily be entertained.

6—21GI/78

*Note 4.*—Question papers will be supplied both in Hindi and English.

*Note 5.*—No credit will be given for answer written in a language other than the one opted by the candidate.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all of the subjects at the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due to economy of words in all subjects of the expression.

#### SCHEDULE

##### Syllabus of the Examination

1. Essay and precis writing

(a) Essay—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(b) Precis writing—Passages will be usually be set for summary or precis.

2. *Noting & Drafting and Office Procedure.*—The paper on Noting & Drafting and Office Procedure will be designed to test the candidate's knowledge of Office Procedure in the Secretariat and Attached Offices and generally their ability to write and understand notes and drafts.

Candidates belonging to Central Secretariat Clerical Service are required to study the Manual of Office Procedure—Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management—the Rules of Procedure and conduct of business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and Hand Book of Orders issued by the Ministry of Home Affairs regarding use of Hindi for Official purposes of the Union, for this purpose.

Candidates belonging to Railway Board Secretariat Clerical Service are required to study the Manual of Office Procedure issued by the Railway Board and the Rules of Procedure and Conduct of business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and the Hand Book of Orders issued by the Ministry of Home Affairs regarding use of Hindi for official purposes of the Union and the Indian Railways Compendium of Orders regarding use of Official Language for this purpose.

3. *General Knowledge.*—The paper on General Knowledge will be intended *inter alia* to test the candidate's knowledge of Indian Geography as well as the country's administration, as also intelligent awareness of current affairs both national and international which an educated person may be expected to have. Candidate's answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text books, reports etc.

#### MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

New Delhi, the 20th March 1978

#### RESOLUTION

No. 5/2/78-EPZ.—In partial modification of Ministry of Commerce Resolution No. 3/2/73-FTZ dated 24th May, 1973, as modified by Resolutions of the same number dated 30th October, 1974, and 7th July, 1975, Government of India have decided that Minister of State in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Commerce) will be the Chairman of the Kandla Free Trade Zone Authority.

#### ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information, and copy thereof be sent to all concerned.

A. S. SETHI, Director

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

## (DEPARTMENT OF IRRIGATION)

New Delhi, the 28th March 1978

## RESOLUTION

No. 8/17/74-DW-II.—The following amendments are made in Resolution No. 8/17/74-DW-II dated the 30th January, 1976, constituting the Bansagar Control Board and the Executive Committee thereunder :—

*Bansagar Control Board*

Para 1 is substituted as under :—

"In consultation with the Governments of Madhya Pradesh, Bihar and Uttar Pradesh, it has been decided to set up the Bansagar Control Board with a view to ensuring the efficient, economical and early execution of the Bansagar Dam including all connected works in Madhya Pradesh but excluding the canal systems which will be executed by the respectively States namely Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Bihar. The Control Board will be in overall charge of the project including its technical and financial aspects. The actual works of construction will be carried out under the direction of the Control Board by the Chief Engineer concerned of the Madhya Pradesh Government."

*Executive Committee*

Entry (2) (b) & (e) in Para 8 is substituted as under :—

- (b) Financial Adviser in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation);
- (e) Joint Secretary (Ganga Basin) in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation).

## ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the State Governments and Union Territories, the Private and Military Secretaries to the President, Prime Minister's Office, the Comptroller and Auditor General of India, the Planning Commission and all Ministries/Departments of Central Government for information.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

S. B. KHARE, Jt. Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

## RULES

New Delhi, the 15th April 1978

No. 77/F(GR)/15/3.—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are with concurrence of the Ministries/Department concerned published for general information.

## CATEGORY I CIVIL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers;
- ★(ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service;
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Civil Engineering Posts);
- (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);
- (vii) Central Engineering Service (Roads);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T Civil Engineering Wing);
- (ix) Assistant Executive Engineer (Civil), Border Roads Engineering Service;

*Group B Services/Posts*

- (x) Assistant Engineer (Civil) P&T Civil Engineering Wing;
- (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing All India Radio;

## CATEGORY II MECHANICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Post);
- (iv) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Post);
- (vi) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);
- (ix) Mechanical Engineering (Junior) in the Geological Survey of India;
- (x) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India.
- (xi) Assistant Manager (Factories) (P&T Telecom. Factories Organisation).
- (xii) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service.
- (xiii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xiv) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);

*Group B Services/Posts*

- (xv) Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India;
- (xvi) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

## CATEGORY III ELECTRICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian-Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service, (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service; (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (ix) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadres) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

*Group B Services/Posts*

- (xi) Assistant Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

## CATEGORY IV ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATIONS

## ENGINEERING

## Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Telegraph Engineering Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Minister of Communications;
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;
- (viii) Communication officer in Civil Aviation Department;
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

## Group B Services/Posts

- (xiii) Telegraph Traffic Service;
- (xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;
- (xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;
- (xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communications Service.
- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. Recruitment to the Services/posts mentioned above will be made in accordance with the schemes of examination prescribed in Appendix I to those rules.

A candidate may complete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

He should note that he will be considered for appointment to those Services/posts only for which he expresses his preference and for no other Service/post.

No request for alternation in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts covered by the category or categories viz., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering for which he is competing would be considered unless the request for such alternation is received in the Office of the Union Public Service Commission on or before 30th October 1978.

N.B.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) or 5(c) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preference for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) Union Territories Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act 1970; and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976,\* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination under these rules shall be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of India origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 27 years on the 1st August 1978. i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1951 and not later than the 1st August, 1958.

(b) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 years in the case of the Government servants of the following categories if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column I below and apply for admission to the examination for the corresponding service(s)/post(s) mentioned in Column 2.

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1978.

Column I	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.N.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S. Group A C.E. & M.E.S. Group A
Directorate General of Supplies and Disposals	I.S.S. Group A
Engineer-in-Chief Army Headquarters	M.E.S. Group A (B & R Cadre) M.E.S. Group A. (E & M Cadre)
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S., Group A
Central Water Commission	C.W.E. (Group A) Service.
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Geological Survey of India	Mechanical Engineer (Junior), Group A.
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation Overseas Communications' Service	Engineer (Group A) Deputy Engineer-in-Charge (Group A) Assistant Engineer (Group B) Technical Assistant (Group B Non-Gazetted)
All India Radio	Assistant Station Engineer (Group A) Assistant Engineer (Group B) Assistant Engineer, Group B (Civil/Electrical) Civil Construction Wing A.I.R.
Civil Aviation Department	Technical Officer (Group A) Communication Officer (Group A)
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
P. & T. Department	Telegraph Engineering Service, Group A Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing. Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group B, P & T Civil Wing. Assistant Manager (Factories) Group A, P&T Telecom. Factories Organisation.
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.

NOTE (1).—The period of apprenticeship, if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

NOTE (2).—Candidates who prior to 29-5-1976 were holding any of the following temporary posts namely (i) Repeater Station Assistant, (ii) Foreman or Technical Assistant Telegraph Workshops, (iii) Temporary Assistant Engineer, Workshops, (iv) Engineering Supervisor, and (v) Workshops Supervisor in the Posts and Telegraphs Department shall be eligible for the relaxation in upper age limit mentioned in Rule 5(b) above to compete for Telegraph Engineering Service Group A.

(c) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 years also in respect of candidates for the Telegraph Traffic Service, Group B in the case of the following :

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the Posts and Telegraphs Department. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has continuously held on a regular basis for a period of not less than 2 years on the 1st August, 1978 any of the following temporary posts under the Posts and Telegraphs Department:—
  1. Repeater Station Assistant.
  2. Foreman or Technical Assistant, Telegraph Workshops.
  3. Temporary Assistant Engineer, Workshops.
  4. Junior Engineer.
  5. Workshop Supervisor.

(d) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971;
- (iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin, from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) Up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (ix) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (x) Up to a maximum of three years in the case of Border Security Force, Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xi) Up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (e) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date *viz.*, 1st August 78 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for *i.e.* (he should have foregone) the examination at least once during the period between June 1975 and March, 1977.

NOTE.—Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

N.B.—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) or 5(c) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

#### 6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institutions and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed in the Graduate Membership Examination or the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (e) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions:—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination;

(i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').

(ii) Mathematics II (Section 'B').

- (2) that the candidates concerned should produce a certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications; Deputy Engineer-in-Charge, Group A, in Overseas Communications Service; Assistant Station Engineer, Group A in All India Radio; Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); Assistant Engineer, Group B in All India Radio, Assistant Engineer, Group B in Overseas Communications Service and Technical Assistant (Group B-Non-Gazetted) in Overseas Communications Service, may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below, namely;

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th October 1978.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or

- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined at the

place where they are summoned for interview, either immediately before or after the interview. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board. The fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of each Service.

#### 18. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

P. N. MOHILE  
Secretary.

### APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I : The written examination will comprise of two sections ; Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional paper. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below.

Part II : Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

#### Category I — CIVIL ENGINEERING (of. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective papers</i>		
General English . . . . .	1 hour	100
General Studies . . . . .	1 hour	100
Civil Engineering Paper I (covering part of the syllabus of Civil Engineering)	2 hours	200
Civil Engineering Paper II (covering the remaining part of the syllabus of Civil Engineering) . . . . .	2 hours	200
<i>Section II—Conventional paper</i>		
civil Engineering (covering entire syllabus of Civil Engineering) . . . . .	3 hours	200
Total . . . . .		800

Category II—MECHANICAL ENGINEERING  
(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective papers</i>		
General English . . . . .	1 hour	100
General Studies . . . . .	1 hour	100
Mechanical Engineering Paper I (covering part of the syllabus of Mechanical Engineering) . . . . .	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II (covering the remaining part of the syllabus of Mechanical Engineering) . . . . .	2 hours	200
<i>Section II—Conventional paper</i>		
Mechanical Engineering (covering entire syllabus of Mechanical Engineering) . . . . .	3 hours	200
Total		800

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING  
(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective papers</i>		
General English . . . . .	1 hour	100
General Studies . . . . .	1 hour	100
Electrical Engineering Paper I (covering part of the syllabus of Electrical Engineering) . . . . .	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II (covering the remaining part of the syllabus of Electrical Engineering) . . . . .	2 hours	200
<i>Section II—Conventional paper</i>		
Electrical Engineering (covering entire syllabus of Electrical Engineering) . . . . .	2 hours	200
Total		800

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING  
(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective papers</i>		
General English . . . . .	1 hour	100
General Studies . . . . .	1 hour	100
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I (covering part of the syllabus of Electronics & Telecommunication Engineering) . . . . .	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II (covering remaining part of the syllabus of Electronics & Telecommunication Engineering) . . . . .	2 hours	200
<i>Section II—Conventional paper</i>		
Electronics & Telecommunication Engineering (covering entire syllabus of Electronics & Telecommunication Engineering) . . . . .	3 hours	200
Total		800

NOTE :—The scripts of the conventional paper of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the commission in their discretion in the objective type examination.

3. The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

4. The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

5. The syllabus for the objective papers and the conventional papers for the various engineering disciplines will be such as are taught in the I.I.Ts. and the various engineering colleges at the Engineering Degree level.

6. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

7. Conventional papers must be answered in English.

8. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

9. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

10. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

11. Deduction up to 5 per cent. of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

12. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional paper of the examination.

13. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purposes, wherever considered necessary.

## APPENDIX II

### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Services, (Civil, Electrical Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A and the Indian Ordnance Factories Service, Group A, a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

### 3. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

### 4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements, fractions of less than half a centimetre should not be noted.

*N.B.*—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fractions of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye-vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basis information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected vision)	Worse eye (vision)	Better eye (Corrected vision)	Worse eye (vision)
1	2	3	4	5

### A. Technical

1. Railway Engineering Services, (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central (Engineering Service (Roads) Group A and Telegraph Engineering Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical Group A (P & T Civil Engineering Wing); Assistant Engineer (Civil & Electrical) Group B (P & T Civil Engineering Wing); Post of Engineer, Group A, in W.P. & C. Wing Monitoring Organisation, Ministry of Communication/Deputy Engineer-in-Charge, Group A in OCS, Assistant Station Engineer, Group A, in AIR, Technical Officer, Group A, in Civil Aviation Department; Communication Officer Group A, in Civil Aviation Deptt. Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service, Group A, Assistant Engineer, Group B in AIR, Assistant Engineer, Group B, in OCS and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in OCS.

- |  |            |             |     |      |
|--|------------|-------------|-----|------|
| 3. Military Engineer Services, Group A, and post of Assistant Manager (Factories) Group A P & T Telecom Factories Organisation | 6/6<br>6/9 | 6/18<br>6/9 | J I | J II |
|--|------------|-------------|-----|------|

### B. Non-Technical

- |   |     |      |     |      |
|---|-----|------|-----|------|
| 4. Indian Railway Stores Service, Telegraph, Traffic Service, Group B, Indian Supply Service, Group A, Assistant Drilling Engineer Group A and Mechanical Engineer (I) Group A in the Geological Survey of India. | 6/9 | 6/12 | J I | J II |
|---|-----|------|-----|------|



## NOTE : (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed  $-4.00$  D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed  $+4.00$  D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

## NOTE : (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Telegraph Engineering Service, Group A.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate . . . . .	16'	16'
2. Size of aperture . . . . .	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure . . . . .	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

*Technical Services or posts requiring higher grade colour lower grade colour perception are as indicated below :—*

*Technical Services or posts requiring higher grade colour perception*

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Communication Officer Group 'A', Civil Aviation Department.
- (vi) Technical Officer Group 'A', Civil Aviation Department.
- (vii) Assistant Manager (Factories) Group 'A', (P&T Telecom. Factorles Organisation).

*Technical Services or posts requiring lower grade colour perception*

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service;
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Officers, (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing);
- (vii) Assistant Station Engineer, Group 'A', AIR.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning & Coordination Wing Monitoring Organisation.

(ix) Dy. Engineer-in-charge Group 'A', Overseas Communication Service.

(x) Assistant Engineer (Civil, Electrical, Telecom. & Electronics), Group 'B', A.I.R.

(xi) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Group 'B', (P&T, Civil Engineering Wing).

(xii) Assistant Engineer, Group 'B', Overseas Communications Service.

(xiii) Technical Assistants, Group 'B' (non-gazetted), Overseas Communications Service.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) *Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity*.—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint*.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommended as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision :

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses, is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 footcandles.

NOTE (9). It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

### 7. Blood pressure

The Board will use its discretion regarding blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

**N.B.**—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### *Method of taking Blood Pressure*

The mercury sphygmometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercises or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period or time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear as a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

8. (a) A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

9. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is

defective the candidate should be got examined by the ear specified : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Service, the Military Engineer Services, the Telegraph Engineering Service Group A the Telegraph Traffic Service, Group B. Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- |  |  |
|--|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal.                                       | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in higher frequency.   |
| (2) Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.           | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decible in speech frequencies of 1000 to 4000.  |
| (3) Perforation of tympanic member of Central or marginal type.  | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.<br>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit.<br>(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. |
| (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.                              | (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.<br>(i) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.  |
| (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated.  | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.   |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose—with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.<br>(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.  |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.  | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.<br>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit.  |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T   | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.<br>(ii) Malignant Tumours—Unfit.   |
| (9) Otosclerosis   | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.  |

- (10) Congenital defects of ear, nose or throat : (i) If not interfering with function Fit. Stuttering of over degree—unfit.
- (11) Nasal Poly Temporarily Unfit.
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect.
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination.
- (m) that he is free from communicable disease.

10. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to

prevent early pension or payments, in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### (a) Candidates' statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (block letters) . . . . .

.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place . . . . .

.....  
.....  
.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes, state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ;

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....  
.....

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

.....  
.....

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

8. If answer to the above is yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

.....

11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence  
Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By willfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claim to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development ..... Good.....  
Fair.....Poor.....Nutrition : Thin.....  
Average.....Obese.....Height (with-  
out shoes).....Weight.....Best Weight.....

When ?.....Any recent change in weight  
Temperature.....

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease.....

3. Eyes (1) Any disease.....

(2) Night blindness.....

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision.....

(5) Visual acuity.....

(6) Fundus Examination.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis.

Distant Vision R.E.  
L.E.

Near Vision R.E.  
L.E.

Hypermetropia R.E.  
(Manifest) L.E.

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear  
.....left ear.....

5. Glands.....Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

.....

If yes, explain fully.....

8. Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions?

Rate .....Standing.....

After hopping 25 times.....

Two minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic.....  
Diastolic.....

9. Abdomen : Girth.....Tenderness.....  
Hernia.....

(a) Palpable Liver.....Spleen.....

.....Kidneys

.....Tumours.....

(b) Haemorrhoids .....Fistula.....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence, of Hydrocele Varicocele etc, Urine analysis :

- (a) Physical appearance .....
- (b) Sp. Gr. ....
- (c) Albumen.....
- (d) Sugar.....
- (e) Casts .....
- (f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 8(a).

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them he is considered unfit ?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) .....
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of.....

President.....

Member.....

Place.....

Date.....

### APPENDIX III

#### BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/ POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service.

(1) Appointments will be on probation for a period of three years during which the services of the officers will be liable to termination by three months' notice on either side. Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should, as a rule be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances, a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of the service and will in any case involve stoppage of increments.

At the end of one year in a working post, the probationary officers will be required to pass a final examination, both practical and theoretical and will, as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason, the drawal of the first and subsequent increments on their passing the departmental examinations, and on being confirmed, will be subject to the rules and orders in force from time to time.

If for any reasons not beyond his control, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

NOTE (i).—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

NOTE (ii).—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College. Boards. The test in the Staff College is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case the officers will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE (iii).—In the Indian Railway Service of Signal Engineers on Railways where there are specialised Tele-Communications posts, an additional training for a period of six months in Tele-Communications may be arranged in any particular case.

(2) (a) Probationers will not be permitted to apply for appointment elsewhere or appear for examination or selection for recruitment to other services.

(b) In cases where Probationers have already appeared at the Combined Competitive Examinations prior to their allotment to the Railway Service and qualify for appointment to services other than the Railway Services, the question of their release from Railway Service will be considered only when they are prepared to refund in cash the cost of their training and other moneys paid to them during the period of their probation before they are actually relieved.

(3) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(4) Officers recruited under these rules—

(a) will be eligible pensionary benefits; and

(b) shall subscribe to the State Railway (non-contributory) Provident Fund under the Rules of that Fund; as applicable to railway servants.

(5) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from the same date. Particulars as to pay are contained in sub-para(8).

(6) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force as applicable to officers of Indian Railways.

(7) Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right, to transfer to some other Railway. But the Government reserve the right to transfer such officers, in the exigencies of service, to any other Railway or project in or out of India. Officers appointed in the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) will be liable to serve in the Indian Railway Stores Services if and when called upon to do so.

(8) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Junior Administrative Grade Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade (i) 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE.—(i) Probationary officers will start on the minimum of the junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will however be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 to 780.00 P.M. in the time scale.

Increments from Rs. 740.00 to 780.00 will not be granted if they fail to pass the Departmental examination within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failing to pass all the Departmental Examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

NOTE (ii).—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Rule 2018A [F: R. 22-B(1)]—R.II.

(9) The increments will be given subject to sub-para to Note (i) under sub-para (8) above for approved service only, and in accordance with the rules of the Department.

(10) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(11) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned, establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

(12) In all matters not specifically provided for herein, the probationary officers will be governed by the provisions of the Indian Railway Codes as amended from time to time and other orders in force issued by competent authorities.

(13) Nature of duties and responsibilities attached to officers appointed to Indian Railway Service of Engineers; Indian Railway Service of Electrical Engineers; Indian Railway Service of Signal Engineers; Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service.

#### INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS

Railway Engineer is primarily responsible for the safety & maintenance of all Way & Works including bridges under his charge for which he is required to carry out periodical inspections over his sub-division. He is also responsible for accuracy and soundness of proposals, plans and estimates, detailed planning, quality and progress of works including their measurements, verification of stores and management and timely payments to labour. He is required to control the expenditure in relation to budget allotments for his sub-Division.

#### INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

**Mechanical Engineers.** On the Indian Railways are required to take up executive functions when deployed in any one of the following categories :—

- (a) Executive functions on the open line (Zonal) Railways which would include efficient management/ utilization/repair and maintenance of rolling stock, running repairs and overhaul of locomotives/coaches/wagons/rail cars/cranes etc.
- (b) workshop management in
  - (i) Zonal Railway Repair Workshops.

(ii) Production units under Ministry of Railways. The duties include production/workshop management, employing varied strength of labour force/capital investment/facilities etc. to suit the type of work envisaged.

- (c) Research Designs/Standardization functions (RDSO) and
- (d) Executive/Technical functions (Railway Board)—requiring the necessary aptitude for design and backed by service experience in the field, for officers selected against posts in the Railway Board and the Research Designs and Standards Organisation. The functions are technical/executive and technical/design & development standardization etc. These include posts/persons deployed in Design & Development Cells working in Production Units (Chittaranjan Locomotive Works/Diesel Locomotive Works/Integral Coach Factory).

#### INDIAN RAILWAYS SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS

- (i) Control and management of labour and supervisory staff placed under their control including assistance for man-power planning and deployment.
- (ii) Inter-departmental co-ordination on the Railways for the efficient day to day running of Railways.
- (iii) Design and manufacture of 25 KV AC/1.5 KV DC electric locomotives and electric multiple units (both underground and surface).
- (iv) Design and manufacture of Electrical and traction equipments like traction motors, smoothing reactors, contactors etc.
- (v) Electrification and operation, maintenance and overhaul of 25 KV/AC and 1.5 KV/DC traction distribution equipments, associated substations switching stations, remote control equipments, etc.
- (vi) Generation, transmission and distribution of electricity on LT & HT voltages and setting up of power houses.
- (vii) Operation maintenance and overhaul of electric locomotives and electric multiple units.
- (viii) Installation and maintenance of house wiring street lighting yard lighting station buildings or any other service buildings or area which Railways undertake to electrify.
- (ix) Maintenance of train lighting and air-conditioning equipments and coaches, engine head lights.
- (x) Maintenance and overhaul of AC equipments on service buildings.
- (xi) Research and Development of Electrical equipments required for Railways.
- (xii) Maintenance and erection of machine tools and lay-out of electric mains in the workshops and production units.
- (xiii) In totality, the officers recruited through this Examination are responsible for the efficient application of electrical engineering on the Railways.
- (xiv) Any other duty assigned by the Railway Administration.

#### INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS

##### 1. Role of the department :

The Signalling & Telecommunication Department of the Railways is responsible for installation and maintenance of—

- 1.1. Signalling equipment for safety of train running and Providing flexibility in train operation and improving sectional capacity.
- 1.2. Communication equipment for establishment of communication linkages between Railway Board, Zonal Headquarters, Divisional Headquarters and other important railway centres of operation for administrative purposes and within a railway or a division for continuous monitoring of train movements.

**2. DUTIES OF THE SIGNAL & TELECOM ENGINEERS****2.1. Construction work involving the installation of :**

- 2.1.1. Signalling equipment ranging from the purely mechanical type to the modern systems like Route Relay Interlocking tokenless block working, centralised automatic train control etc. deploying electro-mechanical, electrical and electronic techniques.
- 2.1.2. Installation of various types of manual automatic and trunk telephone exchanges, microwave systems, VHF communication, HF wireless communication systems, train control systems inter-locking the way-stations with the control office etc.

**2.2. Maintenance of all signalling & telecom equipment.****INDIAN RAILWAY STORES SERVICE**

The Officers of the Indian Railway Stores Service are responsible for the administration and control of the stores of the Railways—Material Managers. On them will devolve the duty of ascertaining the needs of a Railway in the matter of materials and stores and of arranging for the supply of such materials and stores in the most efficient, economical and expeditious manner possible. They will be also responsible for their receipt, inspection and distribution to the various stores depots, for their custody while in charge of the Stores Department and finally for their issue on requisitions received from authorised officials of the Railways.

**2. Central Engineering Service, Group A and Central Electrical & Mechanical Engineering Service, Group A.**

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services, Group A have a reasonable chance of promotion to the grade of Executive Engineer after completion of five years' service in the grade of Assistant Executive Engineer subject to the condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment :

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale.—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.  
*Administrative (Selection) Posts :*

Superintending Engineers—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineers (i).—Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii).—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Engineer-in-Chief.—Rs. 3,000—100—3,500 (for Central Engineering Service, Group A.).

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

**(i) Central Engineering Service Group A**

Candidates recruited to this Service through Engineering Service Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising of residential buildings office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals land development schemes, aerodromes highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

**(ii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A**

Candidates recruited to this Service through Engineering Service Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

**3. Indian Supply Service :—**

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit, for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiration of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof, they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officers will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Grade III—Junior (Group A) Scale . Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300

Grade II—Senior (Group A) Scale . Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600

Grade I—Administrative Selection Posts Rs. 1500-60-1800-100-2000.

Super time scale posts . . . (a) Rs. 2000-125/2-2250.

(b) Rs. 2250-125/2-2500.

(c) Rs. 2500-125/2-2750.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A.

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India, Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of Indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies/High Commissions abroad.

#### 4. Military Engineer Services Group A :—

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Sndts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required, be liable to serve as commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any provided that such a candidate (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment, (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

	Pay Scale
Asstt. Executive Engineer	Rs. 700—40—900—EB—40—
Asstt. Surveyor of Works	1,100—50—1,300
Executive Engineer	Rs. 1,100(6th year or under)—50—
Surveyor of Works	1,600.
Superintending Engineer	Rs. 1,500—60—1,800—100—
Superintending Surveyor of Works.	2,500.
Deputy Chief Engineer	Rs. 1,500—60—1,800—100—
	2,000—plus special Pay Rs. 200/-.
Chief Engineer	Rs. 2,250—125/2—2,500.
Chief Surveyor of Works	Under consideration.

#### 5. Indian Ordnance Factories Service, Group A :—

(a) Selected candidates will be appointed as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be three years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager (Probationer) will undergo such practical training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

	Rs.
	Junior Scale
Assistant Manager/Technical Staff Officer	Rs. 700—40—900— EB—40—1,100— 50—1,300.
Deputy Manager/Deputy Assistant Director General Ordnance Factories.	1,100 (6th year or under)—50—1,600
Manager/Senior Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories.	1,100—50—1,400.*
Deputy General Manager/General Manager, Grade II/Assistant Director General Ordnance Factories. Gr. II	1,300—60—1,600— 100—1,800.*
General Manager Grade I/Assistant Director General, Ordnance Factories Gr. I	2,000—125/2—2,250.
General Manager (Selection Grade) Deputy Director General, Ordnance Factories.	(i) 2,250—125/2— 2,500. (ii) 2,500—125/2— 2,750.
Additional Director General, Ordnance Factories.	Rs. 3,000 (Fixed)
Director General Ordnance Factories	Rs. 3,500 (Fixed)

\*Pre-revised scales of pay. Revised pay scales are under consideration.

NOTE : The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts)/1051/D(Civ-1), dated the 25th November 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

#### 6. Telegraph Engineering Services, Group A :—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any department examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language tests.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;



(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—FB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Junior Administrative Grade—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Senior Administrative Grade—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE.—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 780 an officer in the Junior Scale of TES Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Telegraph Engineering Service (Group A).

#### *Assistant Divisional Engineers Telegraphs*

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be in charge of a Telegraphs/Telephone Engineering Sub-Division, in charge of Carrier VFT., Coaxial, Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

#### *Divisional Engineer*

Divisional Engineers are placed in charge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Projects Organisations, they will be required to do construction/installation job in the unit.

#### *Junior Administrative Grade*

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in telecommunication systems etc. Over all in charge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

#### *Senior Administrative Grade*

Head of Telecommunication Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for over all research activities of the Telecommunication Research Centre.

#### *7. Central Water Engineering (Group A) Service.*

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

8—21GI/78

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (ordinary grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering posts in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer.	Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300.
2. Deputy Director/Executive Engineer.	Rs. 1,100 (6th year or under)-50-1600.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4. Director Selection Grade, Superintending Engineer (Selection Grade).	2000-125/2-2250.
5. Chief Engineer . . . . .	Rs (i) 2,500-125/2-2750 (Level I) (ii) 2,250-125/2-2500 (Level II)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group) A Service. Assistant Director (Civil and Mechanical) :

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical) :—

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

#### *8. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE*

##### *(i) Description of the Organisation*

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong, adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic viability, etc. to ensure that these schemes would fit into the overall development of the States as well as the Regions and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 700—1300 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons recruited to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Electricity Authority are kept on probation for a period of two years which is extendable, where necessary, for a further period up to two years. During the period of probation the candidates are required to undergo training and pass prescribed examination/ tests, as a condition to satisfactory completion of probation. Officers are confirmed thereafter in order of seniority as and when the permanent posts become available.

Any person appointed on the results of the competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *Promotion to higher grades*

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can reasonably look forward for promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer, Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, Chief Engineer (Level II) and Chief Engineer (Level I) after fulfilling the condition laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965, as amended from time to time.

(iv) *Scale of Pay*

The scales of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Service in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority.

Sl. No.	Name of Post	Scale of Pay
1.	Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2.	Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100 (sixth year or under)-50-1600.
3.	Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 1,500-60-1,800-100-2,000.
4.	Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
5.	Deputy Chief Engineer	Rs. 2000-125/2-2500
6.	Chief Engineer (Level II)	Rs. 2250-125/2-2500.
7.	Chief Engineer (Level I)	Rs. 2500-125/2-2750.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Third Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(vi) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs of projects etc. While working in field units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him,

9. *Central Engineering Service (Roads) Group A :—*

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointment, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;

(c) The following are the rates of pay admissible :

Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Superintending Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

Additional Director General (Roads/Bridges)—Rs. 2,500—125/2—3,000.

Director General (Roads Development)—Rs. 3,000—100—3,500.

NOTE : The pay of Government Servant, who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(I).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices, etc. of the Roads Wing Ministry of Shipping and Transport in planning preparing designs and estimates of Roads/Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States.

10. *Posts in the Geological Survey of India—*

Persons recruited to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) and Assistant Mechanical Engineer (Group B posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. The period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 and Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200 respectively. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) and Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India. If so required will be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any;

Provided that such a person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) or Assistant Mechanical Engineer, Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Assistant Drilling Engineer (Group A)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

- (i) Deputy Drilling Engineer—Rs. 1,100—50—1,600.
- (ii) Drilling Engineer—Rs. 1,500—60—1,800—1000—2,000.
- (iii) Additional Chief Drilling Engineer—Rs. 1,800—100—2,000.
- (iv) Chief Drilling Engineer—Rs. 2,000—125/2—2,500.

B—For Mechanical Engineer (Junior) Group A—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Assistant Mechanical Engineer (Group B) (Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200).

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 1,100—50—1,600.
- (ii) Superintending Mechanical Engineer—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
- (iii) Chief Mechanical Engineer—Rs. 1,800—100—2,000.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(I).

#### *Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India*

##### *Mechanical Engineer (Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P. S. L. issues and records, log books, history sheets etc.

##### *Assistant Drilling Engineer*

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintaining stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under his.

##### *Assistant Mechanical Engineer*

Attending to the repairs and maintenance of vehicles, drilling and other equipment, supervision of mobile workshop for attending to repairs in the field.

#### *11. Posts of Assistant Manager (Factories), Group A in the P&T Telecom Factories Organisation.*

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) shall be on probation for a period of two years.

(ii) During the period of probation, the candidates shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The scales of pay for engineering posts in the P&T Telecom Factories Organisation are as follows :—

- (1) Assistant Engineer (Factories)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,100—EB—40—1,200.
- (2) Assistant Manager (Factories)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (3) Assistant General Manager/Senior Engineer.—Rs. 1,100—50—1,600.
- (4) Deputy General Manager/Manager of Telecom Factories.—Rs. 1,500—60—1,800.

#### *12. Telegraph Traffic Service, Group B :—*

- (a) Candidates recruited to Telegraph Traffic Service, Group B will be appointed as probationers for a period of two years during which they will undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed from time to time. Those, who are favourably reported upon at the end of two years and have passed any departmental examination or examinations that may be prescribed will be appointed to working posts in the Telegraph Traffic Service Group B.
- (b) If, in the opinion of the Director General, Posts and Telegraphs the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the Director General may discharge him forthwith.
- (c) On the conclusion of his period of probation, the Director General may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Director General been unsatisfactory, the Director General may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Director General may think fit.
- (d) If so action is taken by the Director General under (b) or (c) above, the period after the prescribed period of probation shall be treated as an engagement from month to month, terminable on either side, on the expiration of one calendar month's notice in writing.
- (e) Probationers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.
- (f) The following are the rates of pay admissible :—
  - (i) Telegraph Traffic Service, Group B—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.
  - (ii) Senior Superintendent Telegraph Traffic.—Chief Superintendent, Telegraph Officers, Madras, Agra, Gauhati, Patna, Ahmedabad, Bangalore and Regional Controller Telegraph Traffic, Madras.—Rs. 1,100—50—1,600.
  - (iii) Chief Superintendent, Central Telegraph Offices, Bombay, Calcutta, New Delhi; and Regional Controller, Telegraph Traffic, Bombay, Calcutta and New Delhi.—Rs. 1,300—50—1,700.
  - (iv) Director of Telegraph Traffic.—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
- (g) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Telegraph Traffic Service.

## OFFICERS OF TELEGRAPH TRAFFIC SERVICE, GROUP B

### I. Assistant Chief Superintendent Incharge Central Telegraph Offices under Group A

(a) In shift duties functions as Incharge of Instrument Room looking after proper functioning of all non-operative and operative sections including public Counter Phonogram and circuits making arrangements for alternative circuits in cases of interruptions etc. keeping liaison with Engineering authorities. Attends to on the spot public complaints. Look-after arrangement of staff including employment and control of overtime.

(b) When assigned administrative duties assists Chief Superintendents in all matters concerning administration including recruitment, employment etc., is appointing authority, for Group D Officials.

### II. Superintendent In-Charge Central Telegraph Offices

Incharge of a Central Telegraph Office with specified administrative and financial powers. Drawing and disbursing officer. Responsible for efficient working of telegraph round-the clock.

### III. Superintendent Telegraph Traffic

Incharge of the Telegraph Traffic Division comprising Central Telegraph Offices and Divisional Telegraph Offices with a total strength of upto 165 Group C Officials (excluding leave reserve). Exercising technical control over combined offices in the Divisions. Inspects all Divisional Telegraph Offices and combined offices in the Divisions.

### IV. Assistant Telegraph Traffic Superintendents

To assist Regional Controller of Telegraph Traffic Wing Traffic Inspection of Divisional Telegraphs offices under the charge of T.T.S. Group C Officials.

### V. Assistant Director Telegraph Traffic in P & T Circle Officers

To assist the Director of Telegraphs on all Traffic matters in the P&T Circles.

## SENIOR SUPERINTENDENT TELEGRAPH TRAFFIC

Incharge of a Telegraph Traffic Division comprising Central Telegraph Offices and Divisional Telegraph Offices, Exercising technical control over combined offices in the Division. Inspects Central Telegraph Offices, Divisional Telegraph Offices and combined offices.

CHIEF SUPERINTENDENT MADRAS, AGRA, GAUHATI, PATNA, AHMEDABAD, BANGALORE AND REGIONAL CONTROLLER TELEGRAPH TRAFFIC, MADRAS.

Incharge of Central Telegraph Offices and local and/or Mofussil Divisional Telegraph Offices acts as drawing and disbursing Officer, Divisional Head of the Telegraph Traffic Division (Senior Superintendent Telegraph Traffic) also exercising technical control over combined offices in the division.

### (i) CHIEF SUPERINTENDENT, CENTRAL TELEGRAPH OFFICES, BOMBAY, CALCUTTA, NEW DELHI.

Incharge of major Central Telegraph Offices with large establishments (total staff over 2,000 including about a dozen Group B officers and about 1,500 Group C). Overall Incharge of all local Divisional Telegraph Offices.

### (ii) REGIONAL CONTROLLER TELEGRAPH TRAFFIC BOMBAY, CALCUTTA AND NEW DELHI.

Exercising technical control over combined offices in the division including their inspection along with Inspection of Central Telegraph Offices and Divisional Telegraph Offices.

## DIRECTOR OF TELEGRAPH TRAFFIC

Highest Officer on the Telegraph Traffic side in the Directorate to assist Director General in matters pertaining to telegraph traffic.

13. Engineers (Group A) in the Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications :—

(a) Scale of pay Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion again 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of pay Rs. 1,100—50—1,600 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 1,500—60—1,800). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted any where in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years, including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

### (e) NATURE OF DUTIES AND RESPONSIBILITIES ATTACHED TO THE POST(S).

(i) To be in charge of monitoring stations, supervise the work of technical assistants, radio technicians and other staff placed under him;

(ii) Assuming charge of installation, operation and maintenance of specialised monitoring equipment including Frequency measuring equipment, Radio Direction Finders, ionospheric recorders, noise recorders etc.;

(iii) Determination of frequency requirements of different user departments and services;

(iv) Administration of international Radio Regulations & Agreements connected therewith.

(v) Preparation and maintenance of frequency records and associated documents;

(vi) Licensing and inspection wireless installations.

(vii) Drawing up specification of Radio Equipments;

(viii) Performance checks of various types of transmitters, receivers and associated apparatus.

(ix) Assistance in the conduct of examinations for Certificate of Proficiency issued to Radio Operators;

(x) Investigation of propagation problems and allied research; and

(xi) Examination, analysis and coordination of data of Radio noise studies, ionospheric studies and field strength measurements etc.

14. Deputy Engineer-in-Charge (Group A), Assistant Engineer (Group B Gazetted) and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in the Overseas Communications Service Ministry of Communications.

(a) Candidates selected for appointment as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be appointed on probation for a minimum period of two years which may be extended if necessary.

(b) An Officer appointed as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be liable to serve anywhere in India.

- (c) In case of temporary appointment to the post of Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge apart from the conditions laid down in the bond which an officer may be required to execute, his service will be terminable by giving one month's notice on either side. It is, however, left to the Department to terminate the service of a temporary employee by giving one month's pay and allowances in lieu of notice but the officer has no such option.

- (d) Scale of pay.

- (1) Technical Assistant : Rs. 550—25—750—EB—30—900.  
 (2) Assistant Engineer : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.  
 (3) Deputy Engineer-in-Charge : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

- (e) Prospects of promotion to higher grades.

(i) Technical Assistant : All Technical Assistants with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, by selection on merit against 50 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(ii) Assistant Engineers : All Assistant Engineers with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-Charge in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 by selection on merit against 75 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(iii) Deputy Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Deputy Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Deputy Engineer-in-Charge or Assistant Engineer is eligible for promotion to the post of Engineer-in-Charge (Scale Rs. 1,100—50—1,600) in the Overseas Communications Service on the successful completion of the period of probation which will be two years. The minimum service of three years in the case of officers directly recruited in the grade will be reckoned from the date of completion of training. The promotion to the grade of Engineer-in-Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(iv) Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Engineer-in-Charge is eligible for promotion to the post of Director (Scale : Rs. 1,300—50—1,700) in the Overseas Communications Service. Promotion to the Grade of Director will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(v) Director : The incumbent of the post of Director with a minimum service of three years in the grade of Director is eligible for promotion to the post of Director General (Scale : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000) in the Overseas Communication Service. Promotion to the grade of deputy Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(vi) Deputy Director General : The incumbent of the post of Deputy Director General with a minimum service of three years in the grade of Deputy Director-General is eligible for promotion to the post of Director General (Scale : Rs. 2,250—125/2—2,500) in the Overseas Communications Service. Promotion to the grade of Director General will be on the basis of selection on the recommendation of the D.P.C. as constituted for the post.

- (f) Any person appointed to the post of Technical Assistant, Assistant Engineer, or Deputy Engineer-in-Charge shall if so required be liable to serve in any Defence service or post in connection with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.  
 (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

NOTE : The remaining conditions of service such as leave, travelling allowances on transfer/tours, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (a) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s)—

1. DY. ENGINEER-IN-CHARGE : The incumbent of the post of Dy. Engineer-in-Charge in O.C.S. functions as a deputy to the Engineer-in-Charge and assists the latter in all technical matters relating to operation and maintenance of International Telecommunications equipment and is also responsible for management of staff, staff colony, water supply, electric supply, engineering, and stationery stores and so on.

The incumbents of the posts have not only to supervise technical work but also to engage themselves directly in the installation and upkeep of valuable telecommunications equipment, the very intensive utilisation of equipment characteristics of O.C.S. is dependent largely upon the ability of Deputy Engineer-in-Charge to co-ordinate and executive work combining a degree of improvisation with reliability standards.

2. ASSISTANT ENGINEER : The incumbent of the post is generally incharge of shift and is responsible for operation and maintenance of equipments. He is required to take quick decision on the spot when any query is raised by foreign associates on technical matters and to rectify the faults.

The post is supervisory-cum-operation. The incumbent of the post exercises control over subordinates at the level of Technical Assistants, and Junior Technical Assistants in his shift. While some members are engaged on Development and Research involving an element of applied research, all Assistant Engineers are required to be familiar with and should comply with international telecommunication standards.

3. TECHNICAL ASSISTANTS : The duties and responsibilities of the post involve adjustment of different Telegraph/Telephone and other wireless apparatus and equipments operation, maintenance and installation of high power Transmitters/Receivers of different kinds and attend to any fault therein. The incumbent is also required to control the entire circuit of radio terminal while speech is going on between two subscribers during an overseas telephone call.

15. Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B.) Directorate General, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.

- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.  
 (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.  
 (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation. (ii) for insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found

medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Scale of pay :—

(i) Assistant Station Engineer—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Assistant Engineer—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Prospects of Promotion to higher grades :

Assistant Engineer and Assistant Station Engineer :—

(i) Assistant Engineers with a minimum of 3 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 on the basis of selection against 40% vacancies reserved for departmental promotion, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.

(ii) Assistant Station Engineers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 1100—50—1600 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.

(iii) Station Engineers who have a minimum of 7 years service in that grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800 on the basis of selection on the recommendation of the Departmental Promotion Committee.

(iv) Senior Engineers are eligible for promotion as Deputy Chief Engineer (Rs. 1800—100—2000), Deputy Chief Engineers are eligible for promotion as Additional Chief Engineers 2000—125/2—2250 who in turn are also eligible for promotion to the post of Chief Engineer (Rs. 2500—125—3000).

NOTE.—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance of transfers/tour, joining time/ joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B).

Assistant Station Engineer :

Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

Assistant Engineer :

Installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. The responsibilities for supervising and carrying out duties during a shift.

16. Assistant Engineer (Group B) (Civil and Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years.

(b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

(ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Assistant Engineers (Civil & Electrical) Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Prospects of Promotion to higher grades :

(i) Assistant Engineers (Civil & Electrical), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 1100—50—1600.

(ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iii) Superintending Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the post of Additional Chief Engineer (Civil) in the scale of Rs. 2000—125/2—2250.

NOTE.—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/ joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical); To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

17. Technical Officer (Group A) and Communication Officer (Group A) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

(a) The candidate selected for appointment will be appointed on a temporary basis, until further orders, as Communication Officer/Technical Officer. They will be on probation for a period of two years, extendable if necessary. Their appointment may be terminated at any time during the period of probation without notice. The candidate will have to undergo a course of training at the Civil Aviation Training Centre for a duration of 16 weeks as and when it is practicable after their appointment. They will be considered for confirmation in the grade of Communication Officer/Technical Officer as and when permanent posts for their confirmation become available.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the Officer in his appointment subject to availability of permanent vacancies or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

- (d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under this rule.
- (e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave, increment and pension in accordance with the rules for the time being in force and applicable to Officers of the Central Government. They will also be eligible to join the Central Provident Fund in accordance with the rules regulating that Fund.
- (f) These Officers shall be liable for transfer anywhere in India for any field Service in and outside India during an emergency. They can also be asked to take up duties on board an aircraft in flight.
- (g) The relative seniority of Officers appointed through the Engineering Service Examination will ordinarily be determined by the order of their merit in the Examination. Govt. of India, however, reserve the right of fixing the seniority at their discretion in individual cases.

The seniority of direct recruits vis-a-vis departmental candidates will depend upon the quotas prescribed in the Recruitment Rules and will be in accordance with the orders that may be issued by the Government of India from time to time on the subject.

- (h) Prospects of promotion to higher grades :—

Promotion to the Grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer :

Communication Officers/Technical Officers with a minimum of three years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department subject to occurrence of vacancies in the scale of Rs. 1,100—50—1,600 on the basis of seniority-cum-fitness.

Promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication.

Senior Communication Officers/Senior Technical Officers who have a minimum of 3 years of regular service in that cadre are eligible for promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication Organization in the scale of Rs. 1,500—60—1,800 on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C.

The next higher posts in the line of promotion in the Civil Aviation Department subject to selection by the DPC are Director of Communication; Director, Radio Construction and Development Units; Director of Training and Licensing and Regional Director in the scale of Rs. 1,800—100—2,000, Deputy Director General in the scale of Rs. 2,000—1252—2,500 and Director General in the scale of Rs. 3000 (fixed).

- (i) These conditions of service are subject to revision according to the requirements of service. Candidates will not be entitled to any compensation if they are adversely affected by any changes in the conditions of service which may be introduced later on.
- (j) The scale of pay for the posts of Communication Officer/Technical Officer in the Department of Aviation are given below :
- (i) Communication Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (ii) Technical Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (k) Any person appointed to the post of Communication Officer/Technical Officer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointments.

- (b) shall not be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (1) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s) of Technical Officer Group A and Communication Officer, Group A.

#### *Technical Officer and Communication Officer*

The above categories of officers are sometimes posted as Officer-in-Charge of Aeronautical Communication Stations which maintain a number of Radio Communication and Navigational equipments and employ a number of Technical/Operational staff to man the various equipments and operating positions.

In the larger A.C. Stations, however, the 'Communication' and 'Technical Officers' work under the administrative control of a Senior Scale Officer. Under these conditions the duties performed by them would be exclusive of the day-to-day administration of the Station. They are also attached to subordinate Regional Hqrs. and other offices.

The 'Technical Officers' alone are also posted to the Radio Construction & Development Unit of the Central Radio Stores Depot, where the work will be mainly connected with Testing & Installation of equipment and allied subjects.

#### *DUTIES OF TECHNICAL/COMMUNICATION OFFICERS FUNCTIONING AS OFFICERS-IN-CHARGE*

##### *AERONAUTICAL COMMUNICATION STATIONS :—*

General administration and disciplinary control over an A.C. Station, which includes—

- (i) efficient maintenance of the various, radio/navigational units;
- (ii) disbursement of pay and allowances of the entire staff;
- (iii) maintenance of accounts—CPWA accounts relating to stores, submission of periodical returns to the proper authorities etc.
- (iv) provisions of adequate spares for the various equipments;
- (v) deployment of staff of various categories at the Units under his charge;
- (vi) adequate liaison with officers of the Aerodrome, Met. Airlines etc.
- (vii) in general, to keep the Aeronautical Communication Stations working at its optimum efficiency.

##### *Duties of Technical Officer posted at a major station/Radio Construction Unit/Radio Stores Depot;*

Acceptance testing, installation and subsequent day-to-day maintenance of Radio & Radar/Navigational equipments of various categories employed in the C.A.D.

Flight check of Navigational Aids of the Department according to International Standards.

Development work in connection with import substitution, fabrication of units for installation purposes, selection of sites for installation of navigational aids etc.

Procurement of spares of various categories from local and foreign agencies for the equipment in use in the Department.

##### *Duties of "Communication Officer" posted at the major stations :*

Responsible for the efficient functioning of the various operational facilities at the station including landline and radio Teletype channels. More circuits. Intercom and other local speech circuits.

If on shift, take complete charge of the entire shift to ensure that all the Technical units/Telegraph circuits function properly.

Matters pertaining to Aeronautical Information Service—dissemination of Notices to Airmen. Briefing of Air Crew and allied matters.



18. *Indian Naval Armament Service.*

- (a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period for probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9–12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to be terminated at the discretion of the Government. They will also be required to sign a bond for Rs. 15,000 (the amount may vary from time to time) prior to proceeding on training for compulsory service in the Indian Navy for a period of three years after completion of the training.
- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment) by competent authority. The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion hereof.
- (c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subject to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.
- (d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.
- (e) Scale of pay and classifications—Group A Gazetted in the scale of pay of Rs. 700–1,300.
- (f) Prospects of Promotion to higher grades—
- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 1,100–1,600, on the basis of selection on the recommendations of BPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T., Kirkee. The syllabus of the Departmental examination is reproduced below:—

1. *Naval Armament Depot Vishakhapatnam*

- (a) Shop-work (Three months)
- (b) Gunwharf Technical Course I
- (c) Ammunition Technical Course I
- 37 weeks
- (d) Administration and Accounts Course
- (e) Visit to Balasore, Cossipore, Ishapore and Jabalpur.

2. *Gunnery School and TAS School*3. *Visits of Heavy Vehicle Factory AVADI and Cordite Factory, ARUVANGADU*

2½ weeks

4. *Naval Armament Depot, Bombay*

- (a) Gunwharf Technical Course II
- (b) Ammunition Technical Course II
- 4 weeks
- (c) Visit to Ordnance Factory, AMBAR-NATH.

5. *Institute of Armament Technology, KIRKEE*6. *Visit to HE Factory, Ammunition Factory, ARDF and ERBI, KIRKEE*

4½ weeks

7. *Visit to Ordnance Factory, & Shell Arms Factory, KANPUR Enroute Naval Headquarters, New Delhi*

½ week

8. *Naval Headquarters, New Delhi Visit to Defence Science Laboratories*

DELHI, FINAL EXAMINATION 1½ weeks

- (ii) *Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade):* Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 1300–50—1700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

- (iii) *Naval Armament Supply Officer (Selection Grade):* Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such, are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1500–60—1800 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

- (iv) *Director of Armament Supply:* Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/Ordinary Grade) with 5 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 1800–100—2000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

NOTE 1. The pay scales of NASO (O/G), NASO (S&G) and DAS are likely to be revised.

NOTE 2. The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately, prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(1) and the corresponding article in CSR applicable to probationers in the Indian Navy.

- (g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

- (i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system production and productivity.

- (ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

- (iii) Developmental work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

- (iv) Providing of mechanical electronic and electrical spare for armaments.

- (v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedoes, mines and guns) measuring instruments etc.

- (vi) Supply of armaments to fleet and Naval Establishments.

- (vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

19. *BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'.*

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during his probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. On the conclusion of the period of probation, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.



(iii) The following are the rates of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 700—40—900—  
EB—40—1100—50—1300.

Executive Engineer—Rs. 1100—50—1600

Superintending Engineer—Rs. 1500—60—1800—  
100—2000

Chief Engineer (Civil) Grade II—Rs. 2000—125/2—  
2250.

Chief Engineer (Civil) Grade I—Rs. 2250—125/2—  
2500.

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

(v) The officers appointed to the service are entitled to Special Compensatory Allowance and free rations when employed in certain specified areas, besides the allowances admissible to Central Government servants. They are also entitled to outfit allowance for the uniform.

20. Assistant Executive Engineer/Assistant Engineer (Civil/Electrical), in P&T Civil Engineering Wing—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Govt may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Group 'B' AE(E/C) Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-  
1000-EB-40-1200.

Asstt. Ext. Engineer Group A Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-  
1300.

Ext. Engineer/SW Rs. 1100-1600.

S. Es./SSW Rs. 1500-60-1800-100-2000

CE (i) Rs. 2250-125/2-2500.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in P & T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P & T. Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P & T. Department comprising of Residential Building, office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

#### APPENDIX IV

#### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

##### OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write de-

tailed answers. For each question (herein after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

##### NATURE OF THE TEST

The question paper will be in form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3 .... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### METHOD OF ANSWERING

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

##### SOME IMPORTANT RULES

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.**
5. Write clearly the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answers sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A Separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/ test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should *not* be used on the answer sheet.

**SOME USEFUL HINTS**

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

**SPECIAL INSTRUCTIONS**

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one open it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

**CONCLUSION OF TEST**

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

**SAMPLE QUESTIONS**

- Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
  - the successors of Asoka were all weak.
  - there was partition of the Empire after Asoka.
  - the northern frontier was not guarded effectively.
  - there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

- In a parliamentary form of Government
  - the Legislature is responsible to the Judiciary

- the Legislature is responsible to the Executive
- the Executive is responsible to the Legislature
- the Judiciary is responsible to the Legislature
- the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

- The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
  - facilitate development.
  - prevent disciplinary problems.
  - provide relief from the usual classroom work.
  - allow choice in educational programme.

(Answer—a)

- The nearest planet to the Sun is
  - Venus.
  - Mars.
  - Jupiter.
  - Mercury.

(Answer—d)

- Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
  - the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
  - the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
  - the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**

New Delhi-1, the 21st March 1978

**RESOLUTION**

No. HS.11027/6/77-HL.—In continuation of this Ministry's Resolution No. HS-11027/6/77-HL dated the 5th August, 1977 regarding constitution of a Wage Review Committee for non-officer employees of the India Tourism Development Corporation, the Government have decided to grant to the Committee an extension of time for a period of six months to submit its recommendations to it.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ORDERED also that a copy of the Resolution be also communicated to all concerned.

C. B. JAIN  
Director General (Tourism)  
and *ex-officio* Addl. Secy.